महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

हीं श्री

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 242 | उज्जैन, बुधवार 11 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

अच्छे कर्म करने के बावजूद भी लोग केवल आपकी बुराइयाँ ही याद रखेंगे इसलिए लोग क्या कहते हैं इस पर ध्यान मत दो, तुम अपना कर्म करते रहो

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत अविद्युतीकृत घरों एवं शासकीय संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 366 करोड़ 72 लाख रूपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार जनजातीय कार्य विभाग की पीवीटीजी आहार अनुदान योजना के लिए 2,350 करोड़ रूपये, एकीकृत छात्रावास योजना के लिए 1,703 करोड़ 15 लाख रूपये, सीएम राइज विद्यालय योजना के लिए 1,416 करोड़ 91 लाख रूपये, आवास सहायता योजना के लिए 1,110 करोड़ रूपये के साथ ही माध्यमिक शिक्षा मण्डल को शुल्क की प्रतिपूर्ति, अनुसूचित जाति जनजाति के अभ्?यार्थियों को छात्रवृत्ति, कक्षा-9वीं की छात्रवृत्ति के लिए 522 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के लिए 31 करोड़ 3 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे-मातरम् गायन के साथ आरंभ हुई।

मंत्रि-परिषद ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत विद्युत अधोसंरचना विस्तार द्वारा 63 हजार 77 अविद्युतीकृत घरों एवं 650 अविद्युतीकृत शासकीय संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 366 करोड़ 72 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसमें केन्द्र शासन से अनुदान राशि 220 करोड़ 03 लाख रूपये तथा राज्य शासन का अंश 146 करोड़ 69 लाख रूपये का भार आयेगा। इसके अतिरिक्त (म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा) 8 हजार 521 घरों को ऑफ-ग्रिड से विद्युतीकरण के लिए अनुमानित लागत 97 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

योजना में विद्युतीकरण से संबंधित वितरण प्रणाली निर्माण के लिए योजना लागत की शेष राशि (केन्द्र से प्राप्त अनुदान को छोड़कर) राज्य शासन द्वारा राज्य की वितरण कंपनियों को अंश-पूंजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी। म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा किए जाने वाले ऑफ ग्रिड विद्युतीकरण (सोलर + बैटरी) के लिए योजना के समस्त व्यय का वहन राज्य शासन द्वारा किया जायेगा।

अनुमोदन अनुसार भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वितरण कंपनी स्तर पर निर्धारित सीलिंग कॉस्ट का पालन करते हुए, 2 लाख रुपये प्रति घर तक अनुमानित लागत वाली बसाहटों में राज्य की विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा विद्युत अधोसंरचना निर्माण कर ऑन-लाइन प्रणाली से विद्युतीकरण किया जायेगा। खेतों पर बने घरों के साथ ही 5 घरों से छोटी बसाहटें एवं ऐसी दूरस्थ बसाहटें, जहाँ विद्युतीकरण की औसत लागत रूपये 2 लाख प्रति घर से अधिक है, उनमें म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा 1 किलोवाट क्षमता के ऑफ-ग्रिड प्रणाली (सोलर + बैटरी) से विद्युतीकरण किया जायेगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा उच्च न्यायालय और जिला न्यायालय के आई टी संवर्ग में कार्यरत कर्मचारियों को तकनीकी संवर्ग की प्रचलित और भावी भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सिर्फ एक बार के लिए आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट की स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में अनारक्षित वर्ग के लिए 40 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है।

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (पेंशन) नियम 2026 तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (पेंशन का सारांशीकरण) नियम 2026 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार नियम के प्रकाशन के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया है।

प्रस्तावित नियमों में प्रक्रियाओं एवं अधिकारिताओं को सहज बनाया गया है, जिससे पेंशनर्स को सुविधा होगी। संबंधित प्रकरणों का निराकरण समयसीमा में हो सकेगा। सेवानिवृत्तों को सारांशीकरण कराया जाने में सुविधा होगी तथा पेंशन सारांशीकरण मूल्य की गणना में सुविधा होगी। मध्यप्रदेश सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2026 के नियम-44 के अंतर्गत परिवार पेंशन के लिए पात्र सदस्यों में अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा पुत्री को भी सम्मिलित किया गया है। मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली का कार्यान्वयन) नियम 2026 तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत उपदान का संदाय) नियम 2026 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील होंगे। नियम के प्रकाशन के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया है।

प्रमुख नवीन प्रावधान अंतर्गत अभिदाता की मृत्यु की दशा में परिवार पेंशन का प्रावधान किया गया है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और ई-सेवा पुस्तिका संबंधी प्रावधान किया गया है। केन्द्र तथा मध्यप्रदेश शासन की पूर्व सेवाओं को जोड़ा जायेगा। निलम्बन अवधि में अभिदाता तथा नियोक्?ता के अंशदान का प्रावधान किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए विस्तृत एवं स्पष्ट प्रक्रिया, अंशदान की दर, गणना एवं विलंब की स्थिति में उत्तरदायित्व निर्धारण के साथ सेवानिवृत्ति, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र एवं मृत्यु की दशा में निकास प्रावधान किया गया है।

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत आने वाले शासकीय सेवकों के लिए उपदान की पात्रता निर्धारण एवं भुगतान की सुस्पष्ट प्रक्रिया होगी। विभागीय जांच (सेवा निवृत्ति उपरांत) आदेश के संदर्भ में उपदान से वसूली संभव होगी। विभागीय जांच की अवधि में नियोक्?ता के अंशदान का भुगतान रोका जाना, सेवानिवृत्ति के तीन माह पूर्व अभिदाता अंशदान रोका जाना और सेवानिवृत्ति उपरांत विभागीय जांच संस्थित किये जाने का प्रावधान के साथ नियमों के निवर्तन और शिथिलीकरण के संबंध में राज्य शासन की शक्ति के प्रावधान शामिल है।

जनसुनवाई में दिखी संवेदनशील शासन व्यवस्था की मिसाल

किडनी इलाज से स्वस्थ बालक ने किया आभार व्यक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील एवं लोककल्याणकारी शासन व्यवस्था को साकार करने के उद्देश्य से प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोजित जनसुनवाई में आज एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब जनसुनवाई से लाभान्वित एक बालक अपनी दोनों किडनी के सफल इलाज के बाद आभार व्यक्त करने कलेक्टर कार्यालय पहुंचा।

बालक अपने पिता के साथ जनसुनवाई में उपस्थित हुआ और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उपलब्ध कराई जा रही जनहितकारी व्यवस्थाओं तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की संवेदनशीलता के प्रति आभार व्यक्त किया। बालक के पिता रफीक शाह ने बताया कि उनके पुत्र तैयब की दोनों किडनी खराब हो गई थीं। इलाज के लिए समुचित चिकित्सीय व्यवस्था सुनिश्चित की गई। अस्पताल में उसकी बीमारी की जांच, इलाज से लेकर खान-पान तक हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराई गई। महंगे से महंगे इंजेक्शन भी लगवाए गए। इलाज से संबंधित यह पूरा खर्च रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से वहन किया गया।

स्वस्थ होने के बाद बालक तैयब ने अपनी बचत राशि से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के लिए बिस्कुट का पैकेट खरीदा और आज जनसुनवाई में उन्हें भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान बालक के पिता ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग दंपत्ति श्याम पटेल और उनकी पत्नी सरस्वती पटेल को आवास की सौगात मिली। दिव्यांग श्री श्याम पटेल, जो ई-ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ने बताया कि उनका सपना अपना खुद का घर बनाने का था। इसी उद्देश्य से वे जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा से मिले। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उनका आवास स्वीकृत करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही बताया गया कि बुकिंग राशि शासन द्वारा वहन की जाएगी, जबकि शेष राशि हितग्राही को किस्तों में जमा करना होगी। श्याम पटेल ने अपनी बचत से नियमित किस्त जमा करने की बात कही तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में एक अन्य प्रकरण में पीड़ित राजू थोरात अपने हाथ के उपचार के बाद कलेक्टर का धन्यवाद ज्ञापित करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की बेहतर शासन व्यवस्था के कारण आम लोगों की सुनवाई हो रही है और उन्हें समय पर इलाज मिल रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उनका हाथ पूरी तरह ठीक होने के बाद कृत्रिम हाथ लगाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए।

इसी क्रम में श्रीमती पूजा वोहरा भी अपने पति के सफल उपचार के बाद जनसुनवाई में आभार व्यक्त करने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उनके पति के हृदय रोग का उपचार शासन-प्रशासन की मदद से संभव हो पाया और अब उनकी स्थिति काफी बेहतर है। उन्हें आश्वस्त किया गया कि आगे भी आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्रीमती निशा डामोर, श्री रोशन राय, श्री रिकेश वेश्य सहित अन्य अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुनकर हाथो-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्या जो निराकृत नहीं की जा सकती थी उनकी समय-सीमा तय कर निराकृत की जायेगी।

जनसुनवाई के माध्यम से प्रशासन द्वारा जरूरतमंदों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर राहत प्रदान की जा रही है, जिससे आमजन में शासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो रहा है। यह जनसुनवाई व्यवस्था की प्रभावशीलता और संवेदनशील प्रशासन की कार्यशैली का जीवंत उदाहरण है, जिससे जरूरतमंदों को त्वरित राहत और सहायता मिल रही है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर महाराणा प्रताप अस्पताल को भेट की एम्बुलेंस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार 10 फरवरी को नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने पूज्य पिताश्री स्वर्गीय श्री शंकरदयाल विजयवर्गीय (काकाजी) की पुण्यतिथि पर उनके द्वारा किये गए सेवा और समर्पण के संस्कारों को आगे बढ़ाने का विनम्र प्रयास किया है। इसी भाव से स्व. श्री शंकरदयाल विजयवर्गीय पारमार्थिक ट्रस्ट की ओर से इंदौर के बाणगंगा स्थित महाराणा प्रताप अस्पताल को एंबुलेंस भेंट की। नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने वहां दौरा किया था और बहुत सारे सुधार कार्य हम उसमें ला रहे हैं। अस्पताल से एक एंबुलेंस की मांग हमसे की गई थी और हमने एक एम्बुलेंस आज अस्पताल को भेंट की।

महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, किला भवन की प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर से प्लास्टिक बोतलें, परीक्षा में उपयोग की गई पॉलिथीन एवं कैरी बैग एकत्र किए गए। साथ ही महाविद्यालय के बाहर स्थित चाय की दुकान से मिट्टी के कुल्हड़ तथा कैंटीन से खाली दूध के पाउच संग्रहित किए गए, जिनका उपयोग रीसाइक्लिंग के लिए किया जाएगा। संग्रहित सामग्री का उपयोग इको क्लब की कार्यशाला में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट गतिविधि के अंतर्गत किया जाएगा, जिससे रचनात्मक एवं कलात्मक वस्तुओं का निर्माण किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं के पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में प्रोफेसर रितु मथुरिया, डॉ. अमरीश, डॉ. आशीष कपूर, डॉ. फरीदा जोहर सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन इको क्लब प्रभारी डॉ. पूजा जैन द्वारा किया गया।

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित परिजन को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित व्यक्तियों को निःशुल्क आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने हेतु मध्यप्रदेश राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड क्रमांक 6(4) तथा संशोधित प्रावधानों के तहत जिला प्रशासन द्वारा आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। देपालपुर अनुविभागीय अधिकारी श्री आर.एम. त्रिपाठी ने बताया कि इंदौर जिले की तहसील देपालपुर के ग्राम रामपुरिया निवासी स्व. मनीष पिता मुकेश की विगत 28 नवंबर 2025 को कुएँ में डूबने से मृत्यु हो गई थी। उक्त दुर्घटना के पश्चात मृतक की पत्नी आवेदिका श्रीमती जया पति स्व. मनीष को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

बैंक कर्मचारी ने खुद को गोली मारी, घर खाली कराने आई थी टीम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विजय नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिनर्जी अस्पताल के पास सोमवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक को-ऑपरेटिव बैंक में कार्यरत कर्मचारी हेमंत ब्रह्मवंशी ने अपनी ही लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना शाम करीब साढ़े 5 बजे की बताई जा रही है जब वह अपने घर के कमरे में अकेला था। मिली जानकारी के अनुसार हेमंत ने अपने मकान को गिरवी रखकर बैंक ऑफ महाराष्ट से ढाई करोड़ रुपये का बड़ा कर्ज ले रखा था। बताया जा रहा है कि पिछले डेढ़ साल से वह बैंक की किश्तें चुकाने में असमर्थ थे। लंबे समय तक राशि जमा न होने के कारण बैंक की ओर से बार-बार नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन हेमंत की ओर से उनका कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था। सोमवार को बैंक की एक टीम कानूनी प्रक्रिया के तहत मकान खाली कराने के लिए हेमंत के निवास पर पहुंची थी।

जिस समय बैंक के कर्मचारी घर की पहली मंजिल पर खड़े होकर जब्ती और खाली करने की लिखा-पढ़ी की औपचारिकताएं पूरी कर रहे थे, उसी वक्त हेमंत ने नीचे अपने कमरे में जाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। अचानक हुई गोली चलने की आवाज से घर और आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। विजय नगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि हेमंत पिछले काफी समय से भारी कर्ज के कारण मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे थे।

अवैध मादक पदार्थ जब्ती सहित उत्कृष्ट पुलिसिंग के लिए 19 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर एवं प्रभावी पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को पलासिया स्थित कार्यालय में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा 19 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने कर्तव्य क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य कर विभाग का गौरव बढ़ाया है।

सम्मानित किए गए पुलिसकर्मियों में थाना राऊ के उपनिरीक्षक प्रविण जाधव, आरक्षक नारायण सिंह एवं आरक्षक कमलेश चोरे शामिल हैं, जिन्होंने अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 62 ग्राम एमडी ड्रग्स, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 6 लाख 31 हजार 170 रुपये है, जप्त की। थाना अपराध शाखा के उपनिरीक्षक अक्षय खडिया, प्रधान आरक्षक अजय ठाकुर एवं प्रधान आरक्षक संदीप सिंह ने अवैध ब्राउन शुगर के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर 102.76 ग्राम ब्राउन शुगर जप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

थाना मल्हारगंज के प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत 24 घंटे के भीतर नाबालिग बालिका को दस्तयाब करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) कार्यालय के आरक्षक भूपेश शर्मा ने चरण पादुका यात्रा के दौरान अस्वस्थ हुई 15 वर्षीय बालिका को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया। थाना आजादनगर के कार्यवाहक उपनिरीक्षक मनोज कुमार दुबे एवं प्रधान आरक्षक नागेंद्र यादव ने चोरी के प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर माल मशरूका जप्त करने में उल्लेखनीय कार्य किया।

थाना कोतवाली के उपनिरीक्षक अजय मार्को, कार्यवाहक उपनिरीक्षक जगन्नाथ गुर्जर एवं कार्यवाहक प्रधान आरक्षक राजेंद्र देशमुख ने अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर 605 क्वार्टर शराब एवं कार जप्त की। कार्यालय पुलिस उपायुक्त मुख्यालय के आरक्षक जितेंद्र सिंह, रंजीत सागोरे एवं प्रशांत ने ई-एचआरएमएस पोर्टल पर कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका निर्धारित समय-सीमा में ऑनबोर्ड कर प्रशासनिक कार्य में सराहनीय भूमिका निभाई।

यातायात प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने पर महिला आरक्षक टोनिका मौर्य को आईटी पार्क क्षेत्र में बेहतर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए तथा महिला आरक्षक मंजू को इंडस्ट्री हाउस चौराहे पर प्रभावी यातायात प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया। वहीं आरक्षक नीरज तिवारी को ट्रैफिक प्रहरी अभियान हेतु गूगल फॉर्म, क्यूआर कोड एवं तकनीकी प्रेजेंटेशन तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान देने पर पुरस्कृत किया गया।

इंदौर बना स्वच्छता का महागुरु, स्वच्छता गीत व स्वच्छ वार्ड रैंकिंग का हुआ शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत बढ़ा हाथ-करें सफाई साथ अभियान के तहत रविंद्र नाट्यगृह में माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार एवं खेल, युवा मंत्री श्री मनसुख मांडविया तथा माननीय महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव की उपस्थिति में स्वच्छता गीत 2025-26 एवं स्वच्छ वार्ड रैंकिंग का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्वच्छता चैंपियन एवं 22 जोनल कार्यालयों के उत्कृष्ट सफाई मित्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण की नवीन टूलकिट की प्रस्तुति भी दी गई।

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने अपने संबोधन में कहा कि इंदौर एक ऐसा महानगर है, जिसने स्वच्छता को केवल अभियान नहीं बल्कि संस्कार के रूप में अपनाया है। इंदौर लगातार देश में स्वच्छता का संदेश दे रहा है और अन्य शहरों के लिए प्रेरणा बना हुआ है।

इंदौर में मनाया गया सुरक्षित इंटरनेट दिवस

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आज इंदौर में सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के निर्देशानुसार हर वर्ष के फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस विश्व भर में मनाया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भारत सरकार द्वारा सुरक्षित इंटेरनेट दिवस को स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प एआई (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) के सुरक्षित और ज़िम्मेदार उपयोग पर मनाया जा रहा हैं। विश्व इंटरनेट दिवस पर आज जागरूकता कार्यशाला का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर में किया गया। इस आयोजन मे एनआईसी के निदेशक श्री शैलेंद्र कुमार नाहर, डीआईओ सुश्री शीतल पाठक ने सुरक्षित इंटरनेट विषय पर जानकारी दी और छात्र-छात्राओं से परिचर्चा कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति जागृति बढ़ाने और सुरक्षित तरीके से इंटरनेट उपयोग करने की जानकारी भी दी। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में सुनी गई आमजन की समस्याएं, किया गया त्वरित समाधान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राधिकरण कार्यालय में प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आज कुल 18 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। प्राप्त आवेदनों में विभिन्न शाखाओं से संबंधित मामले शामिल रहे, जिनमें संपदा शाखा के 7, भू-अर्जन शाखा के 6, स्थापना शाखा के 2 तथा तकनीकी एवं रूपांकन शाखा के 1-1 प्रकरण सम्मिलित थे। सभी आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में प्रमुख रूप से योजना क्रमांक 59 से संबंधित एक प्रकरण सामने आया, जिसमें आवेदक ने प्राधिकरण के भूखंड पर कतिपय तत्वों द्वारा अतिक्रमण किए जाने की शिकायत प्रस्तुत की। इस विषय पर मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े ने सुनवाई करते हुए संबंधित भूखंड से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित एसडीएम को भी प्राधिकरण से जुड़े आवेदन पर शीघ्र सुनवाई कर निर्णय लेने के निर्देश दिए गए, ताकि भूखंडधारकों को समयबद्ध राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर स्वीकृत इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन परियोजना को मिली नई रफ्तार

20 गांवों के सैकड़ों परिवारों को मिलेगा मुआवजा, 626 करोड़ से अधिक राशि का अवार्ड पारित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर- उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है। परियोजना के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों के कुल 20 गांवों की भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसके बदले प्रभावित किसानों और भू-स्वामियों को मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी।मुआवजा राशि निर्धारण में किसानो को उचित मुआवजा देने हेतु बिक्री छाँट की प्रक्रिया अपनाई गई ताकि किसानो को अधिकतम मुआवजा प्रदान किया जा सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि के बदले कुल 626 करोड़ 49 लाख 76 हजार 436 रुपये की मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। वहीं इस परियोजना से जुड़े कुल 662 प्रभावित खातेदार/परिवारों को इसका लाभ मिलेगा। निर्धारित मुआवजा के वितरण का कार्य भी प्रारम्भ कर दिया गया है।

ये गांव शामिल- परियोजना के तहत हातोद और सांवेर तहसील के 20 गांव शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से बुढ़ानिया, हातोद, सगवाल, कांकरिया बोडिया, जंबूड़ी सरवर, जिन्दाखेड़ा, रतनखेड़ी, बीबी खेड़ी, पिपलिया कायस्थ, हरियाखेड़ी, खतेडिया, रंगकराडिया, कछालिया, बलघारा, पोटलोद, टुमनी, मगरखेड़ी, चित्तौड़ा, बालरिया और रालामंडल गांव शामिल है।

किसानों को मिलेगा बड़ा आर्थिक लाभ- भूमि अधिग्रहण के बदले दी जा रही मुआवजा राशि से प्रभावित किसानों और परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। साथ ही यह परियोजना क्षेत्र के विकास, परिवहन सुविधा और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह सड़क धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने विशेषकर सिंहस्थ के लिए भी मददगार होगी।

विकास को मिलेगी नई दिशा- इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन बनने से दोनों शहरों के बीच आवागमन आसान होगा। इसमें रोड के दोनों और सर्विस रोड बनाये जाने का भी प्रावधान रखा गया है साथ ही कई स्थानों पर अंडर पास एवं डक्ट भी बनाये जाएँगे।इससे औद्योगिक, व्यापारिक और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

बेहतर यातायात प्रबंधन में सराहनीय योगदान देने वाले 4 ट्रैफिक प्रहरियों को पुलिस कमिश्नर ने किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में संचालित ट्रैफिक प्रहरी अभियान के तहत बेहतर कार्य करने वाले चार ट्रैफिक प्रहरियों को सम्मानित किया गया। शहर में यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ आमजन की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान को लगातार सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है।

दिनांक 10 फरवरी 2026 को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले ट्रैफिक प्रहरी सुधीर सूभेदार, मंगेश कदम, जफर खान एवं नीरज शर्मा को शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने उनके समर्पण और जिम्मेदारीपूर्ण योगदान की सराहना की। साथ ही अभियान से हाल ही में जुड़े नए ट्रैफिक प्रहरियों को कैप, जैकेट, सिटी, लाइट बेटन और बैज प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। उन्हें समाजहित में दी जाने वाली सेवा के लिए प्रोत्साहित भी किया गया।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैफिक प्रहरी अभियान के माध्यम से अब तक 3050 जागरूक नागरिक पुलिस के साथ जुड़ चुके हैं और अपनी सुविधानुसार विभिन्न चौराहों पर यातायात व्यवस्था में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात प्रबंधन की प्रक्रिया में सहभागी बनाना तथा नियमों के पालन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है, जिससे शहर में सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

डेढ करोड से ज्यादा लागत से सांवेर में विकास कार्यों की सौगात मिली

10 ग्राम पंचायतों में बनेंगे सामुदायिक और आजीविका भवन – मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा की 110 ग्राम पंचायतों में एक हजार करोड से भी ज्यादा राशि के विकास कार्य हो गए हैं, सांवेर में विकास के पंख लगे है, जिससे सभी वर्गो को लाभ हो रहा है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी के नेतृत्व में सांवेर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा डेढ करोड की लागत के 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन और आजीविका भवन निर्माण की स्वीकृतियां दी है, जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर के ग्राम पंचायत धनखेडी, हरियाखेडी बीबीखेडी, गारिया, गारी पिपलिया, में 60 लाख की लागत से सामुदायिक भवन और ग्राम पंचायत कदवाली बुजुर्ग, जैतपुरा, टाकुन, पंचडेरिया, बावलियाखेडी, बुढी बरलाई में स्व-सहायता समूहो की महिलाओं के लिए 90 लाख की लागत से आजीविका भवनों का निर्माण किया जाएगा। ग्राम पंचायत शिवनी में भी 10 लाख की लागत से तालाब सौन्दर्याकरण कार्य होगा।

फायरिंग करने वाले कंजर गिरोह में से दो पकड़ाए, तीन फरार

बालोदा में दो बाईक छोड़कर भागे थे, पांच पुलिस टीमें लगाई, रिमांड पर आरोपी से पूछताछ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ थाने के तहत बालोदा गांव में कंजर गिरोह द्वारा ट्रेक्टर चोरी करने की नियत से बुजुर्ग को गोली मारने की घटना में पुलिस टीमों ने दो बदमाशों को दबोच लिया है, वहीं इनके तीन अन्य साथी फरार है। गौरतलब है कि मामले की गंभीरता के चलते एसपी विनोद मीणा ने खुद गांव जाकर छानबीन की थी। एसपी ने पांच टीमें गठित कर कंजरों को पकड़ने भेजा।

इस तरह कंजर गिरोह के दो बदमाश पुलिस टीम के हत्थे चढ़ गए, जबकि तीन अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। सोमवार को ही छानबीन के दौरान गांव से ही दो बाईक और दो कारतूस बरामद किए गए थे। बाईक कंजरों की थी जो भागते समय छोड़ गए थे। एक बाईक के चेसिस घिसे हुए थे। दूसरी बाईक और फूटेज व लोकेशन के सहारे धरपकड़ की गई। उधर, रतलाम अस्पताल में भर्ती घायल बुजुर्ग गणपताल सेन की हालत में सुधार होना बताया गया है।

गिरफ्तार दोनों आरोपी रिमांड पर है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार बालोदा निवासी रामप्रहलाद सेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, उसके अनुसार वह और उसकी पत्नी मंजूबाई रात्रि में सो गए थे। पिता गणपताल और मां मांगीबाई पास वाले मकान में सो गए थे। रात्रि 3 बजे घर के बाहर खटपट की आवाज आने पर मैं घर के बाहर निकला तो ट्रेक्टर ट्रॉली की आड़ में हलचल दिखाई दी। पिता गणपताल को उठाया। पिताजी और मैंने आवाज लगाई कि ट्रेक्टर के पीछे कौन है। आवाज आने पर परिजन और पड़ोसी जाग गए। इस दौरान ट्रॉली के पीछे छिपे बदमाश ने बंदूक से गोली चलाई, जो पिता गणपताल को लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विनोद मीना ने घटनास्थल जाकर मुआयना किया।

उन्होंने पांच टीमें बनाई, जिसमें सायबर सेल, अनुसंधान टीम, गरोठ, शामगढ़ एवं सीतामऊ थाने की टीम रही। सभी टीमों को धरपकड़ हेतु खाना किया गया। विवेचना के दौरान दो मोटरसाईकिलें गांव में मिली व दो खाली कारतूस भी मिले। बाईक कंजर की थी, जो भागत से वे छोड़ गए थे। ग्रामीणों से चर्चा कर सीसीटीवी फूटेज खंगाले गए इस दौरान मुखबीर सूचना पर आरोपी कमल पिता रंगलाल कंजर 30 वर्ष निवासी अरनिया डेरा झालावाड़, हाल मुकाम मुंडला डेरा एवं गोविन्द पिता रंगलाल कंजर 31 वर्ष निवासी मुंडला डेरा थाना गंगधार झालावाड़ की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर अन्य साथी दिलीप पिता जमनालाल कंजर, राहुल पिता रामचंद्र कंजर दोनों निवासी मुंडला डेरा एवं अजय कंजर निवासी लाखा खेड़ी थाना गंगधार के साथ घटना कारित करना कबूल किया। गरोठ थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय ने बताया कि आरोपियों से अन्य अपराध के संबंध में पूछताछ की जा रही है तथा फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

लोकसभा में सांसद सुधीर गुप्ता ने उठाया नए मत्स्यपालन संकुलों का मुद्दा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा में मंदसौर से सांसद सुधीर गुप्ता ने देश में मत्स्यपालन क्षेत्र के विकास को लेकर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया। उन्होंने मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत शुरू किए गए नए मत्स्यपालन संकुलों से संबंधित जानकारी मांगी।

सांसद सुधीर गुप्ता ने अपने अतारांकित प्रश्न संख्या 1651 के माध्यम से सरकार से पूछा कि क्या देश में नए मत्स्यपालन संकुल प्रारंभ किए गए हैं, यदि हां तो उनका राज्यवार एवं स्थानवार विवरण क्या है। साथ ही उन्होंने इन संकुलों के निर्माण पर होने वाले अनुमानित व्यय, इनके प्रारंभ होने की समय-सीमा तथा इनकी मुख्य विशेषताओं के बारे में भी जानकारी चाही। इसके

अतिरिक्त सांसद गुप्ता ने यह भी प्रश्न किया कि मत्स्यपालन के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अन्य कौन-कौन सी प्रमुख योजनाएं एवं पहलें शुरू की गई हैं। इस पर जवाब देते हुए मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत देश में मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 20,750 करोड़ रुपये के निवेश के साथ योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए अब तक 34 फिशरीज क्लस्टरों को अधिसूचित किया गया है, जिनका राज्यवार विवरण उपलब्ध है। मंत्री ने यह भी बताया कि मत्स्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए फिशरीज एंड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड, प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं का विस्तार किया गया है, जिससे मछुआरों और मत्स्य किसानों को आर्थिक सहायता मिल सके। सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा उठाया गया यह प्रश्न मत्स्यपालन क्षेत्र में निवेश, रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इंदौर में दूषित पानी से 30 से अधिक मौतें, नीमच में बढ़ रहा GBS का खतरा, टाल मोहल्ला में गंदे पानी की शिकायतों पर नगर पालिका मौन, सिस्टम कटघरे में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व पार्षद हारून रशीद कुरेशी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगर पालिका नीमच की कार्यप्रणाली पर गंभीर और चिंताजनक सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि जब इंदौर में दूषित पेयजल से अब तक 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और नीमच जिले में गुलियन बैरे सिंड्रोम (तक्क्स) जैसी गंभीर बीमारी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, तब भी नगर पालिका की लापरवाही समझ से परे है।

उन्होंने बताया कि वार्ड क्रमांक 16 स्थित टाल मोहल्ला सहित शहर के कई क्षेत्रों में नगर पालिका द्वारा नई पाइपलाइन डाली गई थी। लेकिन टाल मोहल्ला में बिछाई गई पाइपलाइन से कुछ ही समय में गंदा और दूषित पानी सप्लाई होने लगा, जिससे स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर सीधा खतरा पैदा हो गया।

शिकायत दर्ज, जांच हुईज लेकिन समाधान नहीं- इस गंभीर समस्या को लेकर दिनांक 15-04-2024 को सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत क्रमांक 26806636 दर्ज कराई गई। इसके साथ नगर पालिका

अधिकारियों और मीडिया को भी बार-बार अवगत कराया गया। शिकायत के बाद पाइपलाइन की जांच तो की गई, लेकिन कोई स्थायी समाधान किए बिना ही शिकायत को बंद कर दिया गया, जो नगर पालिका की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

समस्या सुलझाने के बजाय पाइपलाइन काट दी- स्थिति तब और भयावह हो गई जब नगर पालिका ने गंदे पानी की समस्या का समाधान करने के बजाय पूरी पाइपलाइन ही काट दी। इसके चलते पिछले 20 दिनों से टाल मोहल्ला और आसपास के क्षेत्रों में गंभीर पेयजल संकट बना हुआ है। नागरिक पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं।

GBS का बढ़ता खतरा और गंदा पानी–सीधा संबंध- पूर्व पार्षद ने चेतावनी दी कि गुलियन बैरे सिंड्रोम जैसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी नीमच में बढ़ रही है, और चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार दूषित पानी कई बीमारियों की जड़ होता है। ऐसे हालात में गंदे पानी की आपूर्ति को नजरअंदाज करना स्वास्थ्य आपदा को खुला न्योता देने जैसा है।

जनसुनवाई तक पहुंची बात, लेकिन प्रशासन बेपरवाह - मोहल्लेवासियों ने इस समस्या के समाधान के लिए कलेक्टर जनसुनवाई में भी आवेदन दिया, लेकिन अब तक न तो पाइपलाइन सुधारी गई और न ही स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था की गई। जनता का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।

पूर्व पार्षद हारून रशीद कुरेशी ने प्रशासन से सीधा सवाल किया– 0जब इंदौर में दूषित पानी से 30 मौतें हो चुकी हैं, तो नीमच में किस हादसे का इंतजार है? क्या तक्क्स जैसे मामलों के बढ़ने के बाद भी प्रशासन चेतना में नहीं आएगा?यदि टाल मोहल्ला में किसी नागरिक की तबीयत बिगड़ती है, तो जवाबदेही किसकी होगी?

उन्होंने मांग की कि- टाल मोहल्ला की पाइपलाइन को तत्काल सुधार कर चालू किया जाए। प्रभावित क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था तुरंत की जाए।लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तय की जाए। पूर्व पार्षद ने स्पष्ट कहा कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो यह मामला प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि संभावित जनस्वास्थ्य त्रासदी माना जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका और संबंधित अधिकारियों की होगी।

डॉक्टर की लापरवाही से माँ-बच्चों की मृत्यु मामले में डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, सेवा से पृथक करने की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर निवासी अंकित गेहलोत की पत्नी श्रीमती पूनम और उनके दो नवजात शिशुओं की मृत्यु के मामले में महावीर फतेह करे सेवा संस्था (बालाजी ग्रुप) ने सुशासन भवन पहुंचकर कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित नगर के गणमान्य नागरिकों ने डॉ. रितु शर्मा पर घोर लापरवाही, पीसी-पीएनडीटी एक्ट के उल्लंघन और अवैध निजी प्रैक्टिस के गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें शासकीय सेवा से पृथक करने की मांग की है।

ग्रुप के जिलाध्यक्ष लोकेन्द्र मंगल बैरागी ने बताया कि श्रीमती पूनम पिछले 8 माह से डॉ. रितु शर्मा की देखरेख में थीं। परिवार ने आरोप लगाया है कि 16 दिसंबर 2025 को गर्भ में दोनों शिशु जीवित थे, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टर ने बिना किसी पैथोलॉजिकल जांच के दवाइयां दीं, जिससे शरीर में संक्रमण फैल गया। शिशुओं की धड़कन रुकने पर जब उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, तो वहां के स्टाफ ने भी 3 घंटे तक पीड़िता को बेड उपलब्ध नहीं कराया और वह तड़पती रहीं। बाद में उदयपुर के जीवन ज्योति हॉस्पिटल ले जाने पर पता चला कि एक शिशु की मौत 7 दिन पहले ही हो चुकी थी। संक्रमण इतना फैल चुका था कि दूसरे शिशु और अंततः माता पूनम को भी नहीं बचाया जा सका। बालाजी ग्रुप ने ज्ञापन में यह भी मुद्दा उठाया कि डॉ. रितु शर्मा शासकीय चिकित्सक होते हुए भी निजी क्लीनिक चला रही हैं। साथ ही, बिना रेडियोलॉजिस्ट के डिजिटल हस्ताक्षरित सोनोग्राफी रिपोर्ट देना पीसी-पीएनडीटी एक्ट का सीधा उल्लंघन है।ज्ञापन में कहा कि मामले की गठित वर्तमान जांच समिति केवल पीड़ित पक्ष के बयान ले रही है; दोषी डॉक्टर के बयान लेकर अविलंब रिपोर्ट पेश की जाए। तथा डॉ. रितु शर्मा और संबंधित स्टाफ के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए। शासकीय नियमों के विरुद्ध निजी प्रैक्टिस करने पर डॉक्टर को शासकीय सेवा से तत्काल पृथक किया जाए। बालाजी ग्रुप ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस मामले में जल्द और निष्पक्ष कार्यवाही नहीं की, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपते समय हिम्मत डांगी, दिलीप शर्मा, विजय दुबेला, रूपनारायण मोदी, मंगल बैरागी, अंकित गेहलोत, महेश मोदी, बालाजी ग्रुप नगर अध्यक्ष लोकेश ठाकुर, लोकेश सोनी, गणपत कुमावत, किशोर सैनी, बलराम गेहलोत, मुकेश गेहलोत, नंदकिशोर राठौर, कपिल कच्छावा, योगेंद्र गेहलोत, हेमंत गेहलोत, लोकेंद्र सिंह, राहुल माली, सावन भाटी, जयेश सोनी, अश्विन सेन, तनय गेहलोत, जीवन राठौर, अर्जुन कहार, विनोद कहार, सुनील देतवाल, गजेंद्र सांवरिया, सतीश डेतवाल, प्रदीप गेहलोत, अनिल गेहलोत, हेमंत गेहलोत, मुकेश माली, प्रकाश माली, संजय माली, शैलेष चौधरी, पिंकेश मोदी, राहुल माली, वासुदेव कुमावत, गौरव राठौर, सुनील कुमावत सहित बड़ी संख्या में ग्रुप सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एस.पी. अंकित जायसवाल द्वारा शिविर में सीएम हेल्पलाइन की 12 शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल द्वारा जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय जन सुनवाई एवं शिकायत निवारण शिविर के साथ साथ सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर का भी आयोजन किया गया। जन सुनवाई, शिकायत निवारण शिविर एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर के दौरान आवेदकों द्वारा अपनी समस्याओं और शिकायतों को एस.पी. श्री अंकित जायसवाल के समक्ष प्रस्तुत किया। एस.पी. श्री अंकित जायसवाल द्वारा आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाकर संबंधित थाना प्रभारियों के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया। उक्त शिविर के दौरान सीएम हेल्पलाइन की लेवल-1, लेवल-2 एवं लेवल-3 की कुल 12 सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाकर शिकायतें बंद करवाई गयी। जिला स्तरीय जन सुनवाई शिविर के दौरान लगभग 26 फरियादियों द्वारा एसपी श्री अंकित जायसवाल के समक्ष उपस्थित होकर अपनी समस्याएं बताई जाने पर एसपी श्री अंकित जायसवाल द्वारा संबंधित थाना प्रभारियों को शिकायतों के शिघ्र निराकरण हेतु निर्देश दिये गये।

पुलिस अधीक्षक श्री जायसवाल द्वारा राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देश दिये गयें कि सभी आवेदनों का समय पर एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार की समस्याओं जैसे भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई से संबंधित मुद्दों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं आदि से जुड़े प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया जावें।

जिला स्तरीय सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर में नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान, प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनासा एवं उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा सुश्री निकीता सिंह सहित जिलें के समस्त थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी एवं संबंधित शाखाओं के प्रभारी सहित फरियादी/आवेदक उपस्थित रहें।

अधिवक्ता राजेंद्रसिंह सूर्यवंशी इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट लंदन के मेंबर चुने गए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट लंदन के अध्यक्ष डॉ. आदेश सी. अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता राजेंद्र सिंह सूर्यवंशी को इंटरनेशनल और काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट लंदन का है मेंबर नियुक्त किया है। सूर्यवंशी की नियुक्ति 2030 तक वैध होकर मान्य हुई। अधिवक्ता श्री सूर्यवंशी इससे पहले भी नेशनल व इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके हैं।

इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट लंदन में हेड ऑफिस है। इससे सूर्यवंशी अब देश ही नहीं विदेशों में निवासरत भारतीय मूल के लोगों के लिए कानूनी जागरूकता के कार्यक्रम व एनआरआई संबंधित विधिक डिस्प्यूट के संबंध में सेमिनार का आयोजन कर भाग में ले सकेंगे। श्री सूर्यवंशी अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया है, साथी आप मध्य प्रदेश शासन के शासकीय अधिवक्ता हाई कोर्ट इंदौर है, आप शासन की कहानी पेनलों में कार्य कर चुके हैं। अधिवक्ता राजेंद्रसिंह सूर्यवंशी लगभग 17 साल से उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में वकालत कर रहे है और साथ ही सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया में 14 साल से वकालत कर रहे हैं।

आपने कहीं महत्वपूर्ण केस लड़े हैं और गरीबों को न्याय दिलाया है। श्री सूर्यवंशी मंदसौर के स्थाई निवासी हैं। वर्तमान मे इंदौर और सुप्रीम कोर्ट में वकालत करते हैं, उनकी इस उपलब्धि पर हाई कोर्ट अधिवक्ता मनीष यादव अध्यक्ष हाई कोर्ट बार एसोसिएशन इंदौर, मनीष गडकर सचिव हाई कोर्ट बार एसोसिएशन इंदौर, हाई कोर्ट अधिवक्ता लोकेंद्र सिंह झाला, रघुवीर सिंह पवार अध्यक्ष जिला जिला अभिभाषक संघ मंदसौर, अधिवक्ता महेश शर्मा, अधिवक्ता अधिवक्ता गोपाल कुमावत, अधिवक्ता पंकज भमोलिया आदि अधिवक्ता बधाई दी। अधिवक्ता राजेंद्र सिंह सूर्यवंशी ने आदेश सी.जी.अग्रवाल अध्यक्ष इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट एवं पूर्व अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन नई दिल्ली का हार्दिक आभार माना।

शामगढ़ पुलिस ने 11 व्यक्तियों को जुआ खेलते पकड़ा 7750 रु. बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना पुलिस ने तीन जगहों से जुआ खेलते 11 व्यक्तियों को पकड़ा है, जिनके कब्जे से कुल 7750 रुपए बरामद किए गए हैं।

शामगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सौराष्टीय द्वारा मुखबीर सूचना मिलने पर तीन अलग-अलग पुलिस टीम बनाई। तीन अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। सभी जगह से 11 लोगों को जुआ खेलते पकड़ा गया व 7750 रुपए नकदी बरामद की गई। मामले में आरोपी अब्दुल हाफिज, इक्बाल पिता शब्बीर हुसैन, फिरोज खां, सिद्दिक खां, इक्बाल पिता नजीर हुसैन, रहमत अली शेख, मुन्ना शाह, इरफान शाह, शेरू शाह सभी निवासी शामगढ़ एवं किशोर गेहलोत तथा बाबूलाल माली दोनों निवासी चंदवासा के खिलाफ जुआ एक्ट प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में शामगढ़ थान प्रभारी कपिल सौराष्टीय, चंदवासा चौकी प्रभारी मनोज महाजन, उपनिरीक्षक रविन्द्रप्रताप डांगी, प्रआ बहादुरसिंह, धनपाल जास्ट, विशाल चौहान, आरक्षक कौशलेन्द्रसिंह, हीरालाल यादव, इरफान, मोकमसिंह, प्रेम रावत व धर्मेश का सहयोग रहा।

गरोठ में सराफा दुकान से एक किलो चांदी से भरा बॉक्स गायब

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ नगर में एक सराफा दुकान से सोमवार शाम को एक किलो चांदी से भग बॉक्स गायब हो गया है। बॉक्स दिखाई नहीं देने पर सराफा व्यापारी ने जब ढूंढा तो नहीं मिला। घटना के आसपास चार महिलाएं कुछ जेवर खरीदने आई थी, जिन पर शंका जाहिर की गई है। पुलिस के अनुसार स्वस्तिक ज्वैलर्स के मालिक सुरेश सोनी सोमवार शाम को सदर बाजार में अपनी दुकान पर थे। इस दौरान चार महिलाएं आई और चांदी के जेवर खरीदने को कहा। खरीदारी के समय ही चांदी से भरा एक बॉक्स गायब हो गया, दुकानदार के अनुसार उसमें एक किलो वजनी तक चांदी थी। जब, चार महिलाएं भी खरीदारी करने आई थी, तब अन्य ग्राहक भी थे। ऐसे में महिलाओं को बॉक्स गायब करने का मौका मिल गया। सूचना पर सीसीटीवी केमरे खंगाले, जिसमें चार महिलाएं दिखाई दी है। पुलिस ने फूटेज आधार पर महिलाओं की तलाश शुरू की है।

संकल्प से समाधान अभियान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश एवं जिले में संकल्प से समाधान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में इस अभियान के तहत 13 फरवरी से 6 मार्च तक जिले में 9 स्थानों पर दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, जनजाति कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन शिविरों में दिव्यांगजनों की शीघ्र पहचान कर, उनके तत्काल दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। शा.चिकित्सालय जावद में 13 फरवरी को जनपद क्षेत्र जावद, नगर परिषद जावद, सरवानिया महाराज, अठाना एवं नयागाव के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र शिविर आयोजित किया जा रहा है। 16 फरवरी को जनपद क्षेत्र नीमच के लिए रेडक्रास भवन नीमच में, 18 फरवरी को शा.चिकित्सालय रतनगढ, 20 फरवरी को शा.चिकित्सालय सिंगोली, 23 फरवरी को रेडक्रास भवन नीमच, 25 फरवरी को शा.चिकित्सालय जीरन, 27 फरवरी को शा.चिकित्सालय रामपुरा, 5 मार्च को शा.चिकित्सालय कुकडेश्वर एवं 6 मार्च को शा.चिकित्सालय मनासा में दिव्यंगता प्रमाण पत्र शिविर आयोजित किए जा रहे है। यह शिविर प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होंगे। शिविर के सफल आयोजन के लिए संबंधित जनपद सीईओ एवं सीएमओ क्रमशः नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

CM डॉ मोहन यादव के बड़े भाई को भी नहीं छोड़ा

नारायण दादा के नाम का दुरुपयोग के साथ ही उनके बेटे के रूप में नकली व्यक्ति को खड़ा किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के बड़े भाई नारायण यादव के नाम का दुरुपयोग का एक बड़ा मामला नीमच जिले के मनासा में सामने आया है। जिसमें मंदसौर के भू माफिया कोमल बाफना ने मनासा में अवैध कॉलोनी श्री खाटू श्याम कॉलोनी के शुभारंभ पर बैनर पोस्टर और विज्ञापन में सीएम के बड़े भाई नारायण यादव का फोटो लगाकर यह जताने की कोशिश की गई कि सीएम के बड़े भाई नारायण यादव का उक्त अवैध कॉलोनी से कनेक्शन है।

यही नहीं कार्यक्रम में नारायण यादव के बेटे अभय यादव का आना बताया, लेकिन वह व्यक्ति नारायण यादव जी का बेटा नहीं था, जबकि कोई दूसरा ही व्यक्ति निकला। आश्चर्य तो इस बात का हुआ कि नारायण दादा के बेटे अभय यादव आए है और उस नक़ली व्यक्ति को अभय यादव बताकर स्वागत भी करवा दिया और खूब वाहवाही लूटी कि सीएम डॉ मोहन यादव के बड़े भाई नारायण यादव नहीं आ पाए तो उन्होंने उनके बेटे अभय यादव को भेज दिया।

पर नारायण यादव के बेटे अभय यादव को प्रस्तुत किया वह बबलू यादव का साला था, जिसे नारायण दादा का बेटा अभय यादव बनाया गया। यह सब इसलिए किया कि प्रशासन उक्त कथित खाटू श्याम कॉलोनी पर कोई कार्रवाई न करें, और गुमराह कर लोग प्लॉट खरीदे, क्योंकि जिस जगह पर यह अवैध कॉलोनी बनाई जा रही है वह श्री बद्री विशाल मंदिर ट्रस्ट की है, जिसे पुजारी द्वारा फर्जी तरीके से बेचा गया था और इस मामले की जांच चल रही है। लोकायुक्त में भी शिकायत दर्ज हुई है।

पुलिस प्रशासन को जानकारी मिली तो कोमल बाफना को थाने में बुलाकर लगाई फटकार– हो सकती है बुलडोजर कार्रवाई

कोमल बाफना की निकली हेकड़ी, उठाकर थाने में बिठाया- एक पुरानी कहावत है कि थोथा चना और बाजे घना, ठीक इसी तर्ज पर मनासा में कोमल बाफना अपनी हेकड़ी दिखा रहे थे। लेकिन उनकी हेकड़ी ऐसी निकली कि शायद अब ये किंग मेकर बनने से बाज आ जाएं। सूत्रों की माने तो एक धार्मिक उत्सव में मुखिया के दादा के नाम और चित्र का कोमल बाफना ने अपनी शेखी बगारने के लिए बिना अनुमति के उपयोग किया। जब ये खबर दादा के कानों तक भी पहुंची तो उन्होंने आव देखा ना ताव कोमल बाफना की जो लू उतारी की इनकी सब हेकड़ी धरी की धरी रह गई। सजा के तौर पर संबधित थाना में कई घंटे तक मुंह लटकाकर बैठना पड़ा। बताया जाता है कि आखिर में जब माफीनामा दिया, तब कही जाकर बात बनी और बड़े बेआबरू होकर तेरे कुचे से हम निकले की तर्ज पर कोमल बाफना आखिरकार वापस सकुशल लौट सकें।

इधर भूमाफिया कोमल बाफना के कारनामे की जानकारी सीएम डॉ मोहन यादव व उनके बड़े भाई नारायण यादव तक पहुंची है। उक्त कथित अवैध कॉलोनी खाटू श्याम पर बुलडोजर चलवाने की कार्रवाई हो सकती हैं। वही कोमल बाफना की मंदसौर व नीमच जिले में जितनी भी अवैध सम्पति हैं उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई हो सकती हैं।

इंटरनेशनल वर्ल्ड योगा चैंपियनशिप में पत्रकार रानेरा ने जीते तीन गोल्ड मेडल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बंगलौर में आयोजित तीन दिवसीय वर्ल्ड योग चैंपियनशिप में पत्रकार धर्मेन्द्र सिंह रानेरा ने तीन गोल्ड मेडल प्राप्त कर चैंपियनों का चैंपियन बने। गत 6, 7 और 8 फरवरी को पहली वर्ल्ड योगा चैंपियनशिप एवं योगा फेस्टिवल 2026 का आयोजन श्री शारदा इंटरनेशनल स्कूल अतिबेले बंगलौर में किया गया। चैंपियनशिप में भारत, श्रीलंका, स्विट्जरलैंड, वियतनाम सहित दस देशों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश से धर्मेन्द्र सिंह रानेरा, कृष्णपाल सिंह, अमितेश सिंह, अथर्व सिंह, अदित्रीसिंह, आविष्का सिंह ने अपने द्गअपने समूह में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किए।

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले से पत्रकार धर्मेन्द्र सिंह रानेरा ने स्पोर्ट्स योगा, आर्टिस्टिक एवं रिदमिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल्ड मेडल जीते। शानदार प्रदर्शन के कारण धर्मेन्द्र सिंह रानेरा को चैंपियनों का चैंपियन में सीधे प्रवेश मिला और वहां भी अपने ग्रुप वेटरन ए में चैंपियनों का चैंपियन बने। डब्ल्यूएसएस स्पोर्ट्स इंटरनेशनल के डायरेक्ट एम वल्ली, आईयूवायएफ भारत के डायरेक्ट पॉन सुंदर, आईयूवायएफ स्विट्ज़रलैंड के अध्यक्ष वी गौरीदासन और श्रीलंका के राम कृष्णन ने धर्मेन्द्र सिंह रानेरा को प्रमाण पत्र, गोल्ड मेडल और शिल्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्पादकीय

मूल शिक्षा में आर्थिक वैज्ञानिक सोच विचारणीय

हर राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा का अति महत्वपूर्ण किरदार होता है जिस राष्ट्र में शिक्षा,संस्कृति जितनी गहरी और समृद्ध हो वह राष्ट्र उतना ही विकसित,पुष्पित, पल्लवित होता है। इसके साथ आर्थिक तथा वैज्ञानिक सोच भी अत्यंत विचारणीय है।हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकेंद्य बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के बिना कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकताद्य वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है।

विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंतःप्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतः प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है। किसी स्वस्थ स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

चित्त की निर्मलता व पवित्रता साधक की साधना को साध्य बनाती है

वर्तमान परिस्थितियों में कभी कभी मन बहुत व्यथित होता है, मन को शांत करना और विचारों में स्थिरता व सकारात्मकता स्थापित करना थोड़ा कठिन जान पड़ता है। विडंबना इस कलियुग की ये है कि इस युग में सबसे ज्यादा अशुद्ध मनुष्य का मन, चित्त व हृदय ही हैं। अनुकूल परिस्थितियां न पाकर सबसे पहले यह मन ही क्रोध से भरता है और नकारात्मक विचारों की उथल-पुथल चित्त को अशांत व गर्म कर देती है। यह परिस्थिति मनुष्य को इतना बैचेन कर देती है कि वह रातों की नींद भी खो बैठता है। धीरे-धीरे शरीर भी रोगग्रस्त होने लगता है। फिर मनुष्य अपनी आदत के अनुसार अपनी गलतियों व दोषों को भगवान अथवा दूसरे लोगों के सर मढ़ने लगता है। अपनी गलतियों के लिए भगवान को कोसने से अच्छा है कि अपने मन को ही शुद्ध बना लिया जाए। पर प्रश्न यह उठता है कि कैसे? जिस समाज में हम रहते हैं वहां का माहौल सदैव आध्यात्मिक, सुखद व सकारात्मक नहीं होता है। इसी कारण मन व चित्त को शुद्ध रख पाना मुश्किल कार्य है। पर इसे संभव बनाया जा सकता है, सहजयोग में नित्य ध्यान व सूक्ष्म चक्रों की जागृति से यह कार्य अत्यंत ही सहज हो जाता है। शुद्ध चित्त से साधक की साधना को बल मिलता है साथ ही मन में उठने वाले विचार शांत हो कर निर्विचारिता की प्राप्ति होती है। क्या आप जानना नहीं चाहेंगे कि चित्त का सहज शुद्धिकरण कैसे होता है? सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने स्पष्ट किया है कि, पहला चक्र मूलाधार चक्र है।इस पर श्री गणेश जी की शक्ति कार्य करती है। श्री गणेश हमारे चित्त व विचारों को निर्मल व शुद्ध करते हैं। न केवल विचारों व चित्त को बल्कि वे हमारे चक्रों, नाड़ियों व हृदय को शुद्ध, पवित्र व निर्मल करते हैं। उनकी शक्ति से हम अपने विचारों को साधते हैं। वे हमारे क्रोध को भी शांत करते हैं। मां ने स्वाधिष्ठान चक्र को दूसरा महत्वपूर्ण चक्र बताया है। इस चक्र पर श्री ब्रह्मदेव व श्री सरस्वती की शक्ति कार्य करती है। श्री माताजी ने बताया है कि यह चक्र हमारे विचारों को साधने में सहायक होता है। इस चक्र की सहायता से हम निर्विचारिता को प्राप्त कर सकते हैं। शुद्ध विद्या व परमात्मा को पाने का ज्ञान इस चक्र के शुद्धिकरण से संभव है। हम असीम शक्तियों को धारण किए हुए हैं,बस उन शक्तियों की जागृति हमें आनी चाहिए। आप यह सब सहजयोग ध्यान के माध्यम से बड़ी ही सरलता से कर सकते हैं। इसकी अनुभूति लेने के लिए सहजयोग ध्यान केंद्रों पर जाकर आप अपनी कल्पनाओं को प्रत्यक्ष में बदलते देख सकते हैं।

मार्क्स, मशीनरी और मोदी मॉडलः अफसरशाही का नया चेहरा

भारत की सर्वोच्च प्रशासनिक व्यवस्था, जिसे अब तक रहस्यमय फाइलों, लंबी बैठकों और धीमी प्रक्रियाओं का पर्याय माना जाता था, आज एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। कैबिनेट सेक्रेटेरिएट द्वारा यूनियन सेक्रेटरियों के लिए शुरू किया गया 'मार्क्स-बेस्ड परफॉर्मेंस रिव्यू' न केवल एक प्रशासनिक प्रयोग है, बल्कि यह पूरी ब्यूरोक्रेसी की सोच और कार्यशैली को बदलने वाला कदम भी है। जिस तरह स्कूलों में छात्रों की योग्यता रिपोर्ट कार्ड से आंकी जाती है, उसी तरह अब देश के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों का मूल्यांकन अंकों के आधार पर किया जा रहा है। यह व्यवस्था दक्षता बढ़ाने की कोशिश है या नियंत्रण का नया हथियार, यह सवाल आज हर प्रशासनिक गलियारे में गूंज रहा है।

इस नई प्रणाली की बुनियाद तथ्यों, आंकड़ों और मापदंडों पर रखी गई है। कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा भेजे गए प्रशासनिक स्कोरकार्ड कुल सौ अंकों पर आधारित हैं, जिनमें एक दर्जन से अधिक पैरामीटर्स शामिल किए गए हैं। फाइल डिस्पोजल को सर्वाधिक महत्व दिया गया है (अधिकतम 20 अंक), जो प्रशासनिक गति का प्रतीक माना जाता है। इसके बाद आउटपुट/गतिविधियां (15 अंक), योजनाओं पर खर्च (15 अंक), पूंजीगत व्यय (15 अंक), जनशिकायत निवारण, कैबिनेट नोट्स, प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा मॉनिटर की जाने वाली परियोजनाओं की समयबद्ध पूर्ति, तथा पे एंड अकाउंट्स ऑफिस (पीएओ) और चीफ कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स (सीसीए) द्वारा बिलों का समयबद्ध निपटारा जैसे तत्व जोड़े गए हैं। इसका स्पष्ट उद्देश्य यह है कि अब केवल प्रक्रियाओं पर नहीं, बल्कि परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

इस व्यवस्था का सबसे दिलचस्प पहलू नेगेटिव और डिस्क्रेशनरी मार्क्स का प्रावधान है। यदि कोई विभाग विदेशी यात्राओं या इवेंट्स पर अत्यधिक खर्च करता है, सेक्रेटरी स्तर या ऊपर की फाइलों में असामान्य लंबित रखता है या एमएसएमई को भुगतान में देरी करता है, तो उसके कुल 12 अंक काटे जा सकते हैं। वहीं, असाधारण कार्य या योगदान के लिए कैबिनेट सेक्रेटरी द्वारा 5 अतिरिक्त अंक दिए जा सकते हैं। यह व्यवस्था प्रशासनिक अनुशासन को मजबूत करने के साथ-साथ व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी तय करती है। पहले जहां गलतियों पर अक्सर पर्दा डाल दिया जाता था, अब हर चूक अंकतालिका में दर्ज होगी। इस तरह यह प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही का नया ढांचा तैयार करती है।

प्रशासनिक सुधार के दृष्टिकोण से यह कदम एक तरह की क्रांति कहा जा सकता है, जो 2024 में शुरू हुए मासिक डेमी-ऑफिशियल लेटर्स में मंत्रालय-विशिष्ट मात्रात्मक इंडिकेटर्स जोड़कर विकसित हुआ है। पारंपरिक ब्यूरोक्रेसी में प्रदर्शन मूल्यांकन अक्सर वरिष्ठों की व्यक्तिगत राय या वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट तक सीमित रहता था। उसमें वस्तुनिष्ठता का अभाव रहता था। अब आंकड़ों के आधार पर मूल्यांकन होने से निर्णय अधिक वैज्ञानिक और निष्पक्ष होंगे। फाइलों के तेजी से निपटारे से योजनाओं का क्रियान्वयन तेज होगा और विकास परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी। यह प्रधानमंत्री की उस सोच के अनुरूप है, जिसमें देरी को विकास का सबसे बड़ा दुश्मन माना गया है।

मोटिवेशन के नजरिए से देखें तो यह स्कोरकार्ड प्रणाली एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर, बेहतर अंक पाने की होड़ से अधिकारी अधिक सक्रिय, सतर्क और परिणामोन्मुख बनेंगे। उन्हें अपनी कमजोरियों को पहचानने और सुधारने का अवसर मिलेगा। दूसरी ओर, निरंतर मूल्यांकन का दबाव मानसिक थकान और तनाव भी बढ़ा सकता है। यदि कोई अधिकारी बार-बार कम अंक पाता है, तो उसका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है। स्कूल परीक्षाओं की तरह, यहां भी सफलता प्रेरणा बन सकती है और असफलता निराशा का कारण। संतुलन बनाए रखना इसलिए अत्यंत आवश्यक होगा।

इस व्यवस्था का राजनीतिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। डिस्क्रेशनरी मार्क्स का अधिकार कैबिनेट सेक्रेटरी (वर्तमान में डॉ. टी वी सोमनाथन) के पास है, जो सीधे सरकार के अधीन होते हैं। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि कहीं यह प्रणाली राजनीतिक प्राथमिकताओं को थोपने का माध्यम न बन जाए। यदि किसी विभाग का प्रदर्शन सरकार के एजेंडे से मेल नहीं खाता, तो उसे कम अंक मिलने का खतरा हो सकता है। इससे अधिकारी जोखिम लेने और नए प्रयोग करने से बच सकते हैं। नवाचार के लिए स्वतंत्रता जरूरी होती है, और अत्यधिक नियंत्रण उस स्वतंत्रता को सीमित कर सकता है।

इस प्रणाली के व्यापक प्रभाव धीरे-धीरे सामने आएंगे। यदि इसे संतुलित तरीके से लागू किया गया, तो सरकारी मशीनरी अधिक चुस्त, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बन सकती है। एमएसएमई भुगतान, जनशिकायत निवारण और परियोजना निगरानी जैसे क्षेत्रों में सुधार से आम नागरिक को सीधा लाभ मिलेगा। लेकिन यदि यह केवल अंक जुटाने की दौड़ बन गई, तो अधिकारी दीर्घकालिक सुधारों के बजाय तात्कालिक उपलब्धियों पर ध्यान देने लगेंगे। इससे नीति निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए इस व्यवस्था की निरंतर समीक्षा जरूरी होगी।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो पहले भी मंत्रालयों से मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट मांगी जाती थीं, लेकिन उनमें अंकों की सख्त व्यवस्था नहीं थी। नई प्रणाली ने उस ढांचे को अधिक औपचारिक और कठोर बना दिया है। यह डेटा आधारित प्रशासन की ओर एक बड़ा कदम है। फीडबैक लूप के माध्यम से सुधार की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। हालांकि, यदि डिस्क्रेशनरी मार्क्स का दुरुपयोग हुआ, तो यह विश्वास को कमजोर कर सकता है। तब यह सुधार के बजाय भय का माध्यम बन जाएगा।

कुल मिलाकर, कैबिनेट सेक्रेटेरिएट का यह 'मार्क्स-बेस्ड परफॉर्मेंस रिव्यू' भारतीय ब्यूरोक्रेसी को नई दिशा देने का प्रयास है। यह दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देता है, लेकिन साथ ही नियंत्रण और दबाव की नई परत भी जोड़ता है। यदि इसे स्कूल परीक्षा की तरह कठोर बना दिया गया, तो रचनात्मकता और दूरदृष्टि प्रभावित हो सकती है। सरकार को चाहिए कि वह इस प्रणाली को संवाद, फीडबैक और सुधार के साथ आगे बढ़ाए। तभी यह व्यवस्था वास्तव में प्रशासनिक सुधार, प्रेरणा और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रतीक बन सकेगी।

-प्रो. आरके जैन

फिर दोराहे पर खड़ा बांग्लादेश

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने जा रहे आम चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी कमर कस चुके हैं। चुनावी परिणाम ही नए बांग्लादेश की दिशा निर्धारित करेंगे। इस बार अवामी लीग प्रतिबंध के कारण चुनाव से बाहर है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना फिर भी चुनावी विमर्श का प्रमुख मुद्दा बनी हुई हैं। पिछले तीन दशकों में यह पहला अवसर है, जब बांग्लादेश की 'दो बेगमों'-अवामी लीग की शेख हसीना और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की खालिदा जिया चुनावी मैदान में नहीं हैं।

ऐसे में यह चुनाव नए राजनीतिक समीकरणों के बीच लड़ा जा रहा है। 13वें संसदीय चुनाव में युवाओं की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि 2024 में जुलाई में शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन और उनके इस्तीफे में यही वर्ग सबसे आगे रहा। वर्तमान में 18-35 आयु वर्ग की आबादी लगभग 30 प्रतिशत है, जो आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया से लैस है और जुलाई आंदोलन का प्रमुख प्रतिनिधि मानी जाती है। सवाल यह है कि क्या यह युवा वर्ग छात्र आंदोलन से उभरी जातीय नागरिक पार्टी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी (एनसीपी) को समर्थन देगा या पारंपरिक दल अपने प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक मजबूती के बल पर फिर सत्ता में लौटेंगे?

लंदन में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान ने बीएनपी की कमान संभाली है। पिछले साल 25 दिसंबर को उनकी बांग्लादेश वापसी के दौरान उमड़ी भीड़ से स्पष्ट हुआ कि 2024 के आंदोलन का राजनीतिक लाभ बीएनपी को मिला है और आगामी चुनावों में उससे काफी उम्मीदें हैं। ढाका पहुंचने पर तारिक रहमान ने कहा, 'आइ हैव ए प्लान यानी मेरे पास बांग्लादेश के विकास की योजना है।' इसी आधार पर पार्टी ने अपने घोषणा पत्र सबसे पहले राष्ट्रीय बदलाव, सामाजिक समानता, आर्थिक स्थिरता, क्षेत्रीय विकास और धार्मिक सौहार्द जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी है। बांग्लादेश के चुनावी इतिहास में मुद्दों से अधिक पार्टी और नेतृत्व का प्रभाव रहा है और तारिक रहमान ने पिछले डेढ़ वर्षों में इसी दिशा में काम किया है। विदेश में रहते हुए भी वे आनलाइन माध्यम से पार्टी से जुड़े रहे। चुनावी गणित के लिहाज से बीएनपी इस समय एक मजबूत पार्टी मानी जा रही है, जिसे अवामी लीग की अनुपस्थिति का भी लाभ मिल सकता है। हालांकि बीएनपी मजहबी ध्रुवीकरण से बचते हुए अल्पसंख्यक और अवामी लीग समर्थक वोटों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। जमात-ए-इस्लामी पहली बार खुलकर नेतृत्व की राजनीति में सामने आई है। 1971 के मुक्ति आंदोलन में पाकिस्तान का साथ देने के कारण यह संगठन लंबे समय तक विवादों में रहा। शेख हसीना के दो दशकों के शासन में इसके कई नेता जेल में रहे या भूमिगत हो गए थे, लेकिन उनकी सरकार के पतन के बाद जमात फिर सक्रिय हुई और उसका नेतृत्व सामने आया, जिसमें प्रमुख अमीर शफीकुर रहमान शामिल हैं।

-धनंजय राजौरा

ताकि दुबारा न हो सूरजकुंड जैसे हादसे

फरीदाबाद में आयोजित 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव 2026 के दौरान शनिवार, 7 फरवरी 2025 की शाम एक गंभीर हादसा हुआ, जब मेले में लगे एक झूले के टूटने से 13 लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना में झूला परिसर के सिक्योरिटी इंचार्ज इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई, जबकि सात घायलों की हालत गंभीर बताई गई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह हादसा शाम करीब सवा छह बजे हुआ, जब झूले पर 19 लोग सवार थे और झूला तेज गति से ऊपर-नीचे झूल रहा था। अचानक एक सिरे से झूला टूट गया, जिससे वह जमीन से दोङ्कतीन फुट ऊपर हवा में लटक गया, जबकि दूसरा सिरा ऊपर ही बना रहा।

हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद दुकानदारों और पुलिसकर्मियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद भी झूले पर फँसे लोगों को सुरक्षित उतारने में जुटे थे। कई लोगों को नीचे उतारा जा चुका था और कुछ को उतारा जा रहा था, तभी झूले का दूसरा सिरा भी टूट गया और पूरा ढांचा जमीन पर गिर पड़ा। इस दौरान कई लोग झूले की चपेट में आ गए और इंस्पेक्टर को गंभीर चोटें आईं। घायलों में से नौ लोगों को पास के निजी अस्पताल और चार लोगों को बीके अस्पताल ले जाया गया, जहां निजी अस्पताल में इलाज के दौरान इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई।

इस हादसे को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन मंत्री ने दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया तथा पूरे मामले की जांच के आदेश दिए। हालांकि, यह घटना एक बार फिर इस सवाल को सामने लाती है कि प्रशासन और सरकार आमतौर पर किसी बड़े हादसे के बाद ही सक्रिय क्यों होती है। अक्सर जांच को तकनीकी खराबी या किसी कर्मचारी की लापरवाही तक सीमित कर दिया जाता है और यदि मामला अधिक तूल पकड़ ले तो निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर दी जाती है, जबकि उच्च स्तर के जिम्मेदार अधिकारी बच निकलते हैं। इसी कारण हादसों के मूल कारण समाप्त नहीं हो पाते और ऐसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाती हैं।

सूरजकुंड मेले में झूला टूटने की यह घटना भी कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण प्रतीत होती है। मनोरंजन के लिए आए लोगों ने कभी नहीं सोचा होगा कि झूले पर बैठना उनकी जान के लिए खतरा बन सकता है। हादसे के बाद झूला संचालक और एक कर्मचारी की गिरफ्तारी जरूर हुई, लेकिन केवल इतनी कार्रवाई से भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लगेगी, इस पर भरोसा करना कठिन है। असल सवाल यह है कि झूले को चलाने से पहले उसकी सुरक्षा जांच ठीक से हुई थी या नहीं और मेले की अनुमति देते समय सभी झूलों और गतिविधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी थी।

पिछले कुछ वर्षों में देश के अलग-अलग हिस्सों में झूलों, मनोरंजन राइड्स और रोपवे से जुड़े हादसे लगातार सामने आए हैं, जो इस क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करते हैं। जनवरी 2026 में मध्य प्रदेश के झाबुआ मेले में एक विशाल स्विंग गिरने से लगभग 14 बच्चे घायल हुए, जबकि सितंबर 2025 में गुजरात के पागवाड हिल रोपवे में केबल टूटने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। इसी तरह अक्टूबर 2025 में महाराष्ट्र के कगल मेले में टॉवर राइड की तकनीकी खराबी से 18 लोग करीब 80 फुट की ऊँचाई पर कई घंटों तक फँसे रहे। मई 2025 में चेन्नई के वीजीपी यूनिवर्सल किंगडम में थ्रिल राइड बीच में रुक गई और लगभग 30 लोग घंटों तक फँसे रहे, जबकि अप्रैल 2025 में साउथ वेस्ट दिल्ली के एक मनोरंजन पार्क में रोलर कोस्टर की सीट बेल्ट फेल होने से 24 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

इनके अलावा जुलाई 2023 में नैनीताल रोपवे में तकनीकी गड़बड़ी के कारण 12 यात्री हवा में फँस गए थे और अप्रैल 2022 में त्रिकूट रोपवे, देवघर में दो केबल कारों के टकराने से दो लोगों की मौत हुई थी तथा यात्री कई घंटों तक फँसे रहे। जुलाई 2022 में कोलकाता के रामलीला ग्राउंड में फैरिस व्हील से गिरने पर एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई थी, जबकि 2019 में अहमदाबाद और 2024 में तमिलनाडु के थिरुपथुर में थीम पार्क के पेंडुलम राइड हादसों में कई लोगों की जान गई और दर्जनों लोग घायल हुए। अधिकांश मामलों में प्रारंभिक जांच में रखरखाव की कमी, समय पर निरीक्षण न होना, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और अनुभवहीन संचालन जैसी वजहें सामने आईं, लेकिन कार्रवाई अक्सर निचले स्तर तक ही सीमित रही।

अब सूरजकुंड हादसे की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है, जो झूले की स्थापना, रखरखाव, निरीक्षण और संचालन से जुड़े लोगों से पूछताछ करेगी। लेकिन कहना ग़लत नहीं होगा कि यह जांच तभी सार्थक सिद्ध होगी, जब तकनीकी प्रमाणपत्रों, सुरक्षा रिपोर्टों और मानकों के पालन की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच हो तथा वास्तविक दोषियों पर ईमानदारी से कार्रवाई की जाए। यदि हर हादसे के बाद सरकार केवल औपचारिक कदम उठाती रही और जड़ तक नहीं पहुँची, तो ऐसे हादसे होते रहेंगे। वास्तविक जिम्मेदारों को जवाबदेह बनाना ही भविष्य में ऐसे आयोजनों को सुरक्षित बनाने का एकमात्र रास्ता है।

-सुनील कुमार महला

साइबर ठगी पर सख्ती

साइबर धोखाधड़ी और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट के जरिये लोगों का पैसा हड़प करने के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह सीबीआइ, बैंकों और रिजर्व बैंक के रवैये पर नाराजगी प्रकट की, उससे यही पता चलता है कि लोगों को ठगी से बचाने के लिए जो कुछ किया जाना चाहिए, वह नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तो बहुत ही गंभीर है कि कई मामलों और खासकर डिजिटल अरेस्ट के मामलों में बैंक अधिकारी आरोपितों से मिले होते हैं और इसी कारण साइबर ठग लोगों की जमापूंजी आसानी से हड़प ले रहे हैं। इस टिप्पणी को निराधार नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह देखने में आया है कि ठगी के जरिये इधर-उधर हस्तांतरित की गई रकम को जब्त करने के लिए बैंक समय पर कार्रवाई नहीं करते। समझना कठिन है कि जिन खातों से रकम इधर-उधर की जाती है, उनके खिलाफ बैंक तत्परता के साथ कार्रवाई क्यों नहीं करते? तत्परता का यह अभाव ही बैंकों की भूमिका पर सवाल खड़े करता है। यदि बैंक कर्मचारी सतर्क रहें तो साइबर फ्राड के मामलों पर एक बड़ी हद तक लगाम लग सकती है। बैंकों के पास ऐसा कोई सिस्टम होना ही चाहिए कि यदि किसी खाते से निकली राशि आनन-फानन एक के बाद एक कई अन्य खातों में स्थानांतरित हो रही हो तो वे उसका संज्ञान ले सकें।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।

विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है।

यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मर्यादाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाज़े खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है। यह घटना व्यक्ति विशेष से अधिक उस माहौल की ओर संकेत करती है, जहाँ अविश्वास इतना गहरा हो चुका है कि संवाद और विश्वास के पुल कमजोर पड़ते जा रहे हैं।

अंततः यह समय आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। सत्तापक्ष को यह समझना होगा कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध की भी एक मर्यादा और रचनात्मकता होती है। और अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पदों को यह स्मरण रखना होगा कि उनकी निष्पक्षता केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि व्यवहार और अवसर की समानता से भी सिद्ध होती है। यदि संसद को संवाद का मंच बनाए रखने में हम विफल रहते हैं, तो यह केवल एक सत्र या एक सरकार की विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक असफलता मानी जाएगी। यही वह बिंदु है जहाँ हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि और हर संस्था को आत्मचिंतन करना होगा, ताकि विकास की राह में विनाश की संभावनाएँ नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

-ललित गर्ग

सेवानिवृत्त फौजी की निजी भूमि से जबरन रास्ता खोलने का आरोप, फसल व फेंसिंग को नुकसान

सैनिक संगठन जिला देवास के सेवानिवृत्त फोजियो ने जनसुनवाई में दिया आवेदन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के टोंकखुर्द तहसील अंतर्गत ग्राम फतेहपुर खेड़ा में निजी भूमि से कथित रूप से जबरन रास्ता निकालने का मामला सामने आया है। सेवानिवृत्त फौजी पीड़ित किसान मुकेश मालवीय, निवासी जमना नगर देवास, ने सैनिक संगठन जिला देवास के नेतृत्व में जनसुनवाई में जिला कलेक्टर को आवेदन देकर राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। मुकेश मालवीय के अनुसार उनकी निजी भूमि खसरा नंबर 82 पर गांव के ही कुछ व्यक्तियों सत्यनारायण, जितेन्द्र, आत्माराम तथा संगीता बाई द्वारा 12 फीट चौड़ा और लगभग 300 फीट लंबा रास्ता निकालने की मांग की जा रही थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि संबंधित पक्ष की जमीन पहले से ही पक्की सरकारी सडक़ से जुड़ी हुई है, इसके बावजूद उनकी निजी भूमि से रास्ता लेने का दबाव बनाया जा रहा था। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें इस संबंध में डराया और धमकाया भी गया। उन्होंने बताया कि पूर्व में पटवारी और तहसीलदार द्वारा मौके का निरीक्षण कर यह आश्वासन दिया गया था कि उनकी जमीन से कोई रास्ता स्वीकृत नहीं है और संबंधित पक्ष का मार्ग उनके पुराने खाते से ही बनता है। हालांकि, मुकेश मालवीय का कहना है कि 6 फरवरी 2026 का नोटिस उन्हें 8 फरवरी की शाम 5 बजे के बाद मोबाइल पर दिया गया, जिससे निर्धारित समय पर मौके पर पहुंचना संभव नहीं हो पाया। इसके बाद 9 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे से पहले राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रास्ता खुलवाने की कार्रवाई कर दी। शिकायतकर्ता के अनुसार इस दौरान जेसीबी मशीन से उनकी खड़ी फसल और खेत की फेंसिंग को नुकसान पहुंचाया गया, जिससे उन्हें आर्थिक हानि के साथ मानसिक प्रताडऩा भी झेलनी पड़ी। मुकेश मालवीय ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि उनके नुकसान की भरपाई संबं

पक्ष से कराई जाए, राजस्व अमले की कथित पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की जांच कर दंडात्मक कदम उठाए जाएं तथा उनकी भूमि पर पूर्व स्थिति अनुसार दोबारा फेंसिंग कराई जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में सैनिक संगठन जिला देवास रिटायर्ड फौजी उपस्थित थे।

युथ वॉक 2026 में अमलतास विश्वविद्यालय की प्रभावशाली सहभागिता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेहरू स्टेडियम, इंदौर में आयोजित भव्य युथ वॉक 2026 कार्यक्रम में अमलतास विश्वविद्यालय एवं उसके समस्त संघटक संस्थानों ने अपनी उत्साहपूर्ण और संगठित सहभागिता दर्ज कराई। सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य इस युवा प्रेरणादायी आयोजन में शामिल हुए। इस अवसर पर अमलतास विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित मेडिकल कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज, पैरामेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और फार्मेसी कॉलेज के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से हिस्सा लेकर अनुशासन और एकता का परिचय दिया।

आयोजन के दौरान मालवांचल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नारंग, रजिस्ट्रार श्री संजय रामबोले, डॉ. राजेन्द्र सिंह, डॉ. आर. सी. यादव, श्री विजय जाट विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर मालवांचल विश्वविद्यालय के स्टाफ से भी अमलतास विश्वविद्यालय के दल की सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई, जहाँ आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। इस महत्वपूर्ण अवसर पर सहित विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

प्रति सप्ताह वसुली का लक्ष्य पूरा नही होने पर वसुलीकर्ताओं के वेतन कटे

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संपत्तिकर वसुली की टीम को प्रति सप्ताह दिये गये लक्ष्य के अनुरूप वसुली नही होने पर आयुक्त दलीप कुमार ने चेतावनी देते हुये प्रति सप्ताह के दिये लक्ष्य के अनुसार वसुली करने के निर्देश देते हुए वार्ड 13, 14, 19, 31 एवं 32 से लक्ष्य अनुरूप वसुली नही करने पर वसुलीकर्ताओं के 3 दिवस का वेतन आहरण नही करने के निर्देश उपायुक्त वित्त दिपक पटेल को दिये। आयुक्त ने बडे बकायादारों को सख्ती पत्र जारी करने के पश्चात भी राशि जमा नही करने पर कुर्की करने के निर्देश दिये।

वसुली नही तो वेतन नहीं- इसी प्रकार कचरा संग्रहण शुल्क को लेकर वसुलीकर्ताओं को प्रतिदिन का दिया वसुली लक्ष्य अनुसार वसुली नही होती है तो आयुक्त ने चेतावनी के साथ वसुलीकर्ताओं के वेतन आहरण नही करने हेतु कहा।

दिये लक्ष्य अनुसार वसुली करने पर आयुक्त ने की प्रशंसा- इसी प्रकार जलकर वसुली का लेकर आयुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप वसुली करने वाले वसुलीकर्ताओं की प्रशंसा भी की। वहीं चालु वित्तीय वर्ष की राजस्व वसुली के लक्ष्य को पूरा करने में पूरी मेहनत ओर लगन से कार्य करने हेतु कहा। आयुक्त ने सहायक राजस्व निरीक्षकों को संपत्तिकर वसुली के साथ कचरा संग्रहण शुल्क एवं सिवरेज के कनेक्शनों की राशि वसुली पर भी वसुलीकर्ताओं को सहयोग करने को कहा।

कृत्रिम गर्भाधान योजना में कार्य नहीं करने पर पशु पालन विभाग के एडीओ बाल कृष्ण यादव को निलम्बित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री संजीव कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, एसडीएम देवास श्री अभिषेक शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री आनंद मालवीय सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। कलेक्टर श्री सिंह ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम गर्भाधान योजना की विकासखण्डवार समीक्षा कर प्रगति की जानकारी ली। समीक्षा में खातेगांवमेंबहुतकम प्रगतिपाई गई। जिसपर कलेक्टर श्री सिंह ने पशुपालन विभाग के एडीओबाल कृष्णयादव को निलम्बित करने के निर्देश दिये एवं सीईओ जनपदखातेगांवअभिषेककटारियाको दो दिन का वेतन काटने के निर्देशदिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सहाकारिता विभाग अंतर्गत किसानों को वितरित किये जा रहे माईक्रो एटीएम की जानकारी लेकर निर्देश दिये कि किसानों को माईक्रो एटीएम के संबंध में जागरूक किया जाये और उन्हें माईक्रो एटीएम में लाभ बताये। कृषि एवं अकृषि ऋण स्वीकृति एवं वसूली की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

संत शिरोमणि सेनजी महाराज भक्ति व आध्यात्म के प्रेरणास्त्रोत - विधायक श्रीमंत पवार

समारोहपूर्वक हुआ सेनजी महाराज छत्री का अनावरण, बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को नगर निगम के वार्ड क्रमांक 25 में सिविल लाइन चौराहा पर संत शिरोमणि सेनजी महाराज की नवनिर्मित छत्री का अनावरण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रीमंत गायत्रीराजे पवार उपस्थित रहीं। जबकि अध्यक्षता महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने की। वहीं विशेष अतिथि के रूप में सभापति रवि जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, संत कानु नागोबा सनावद, पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, बहादुर मुकाती, जिला महामंत्री राजेश यादव, मेयर इन काउंसिल सदस्य गणेश पटेल, धर्मेन्द्रसिह बैस, शीतल गोहलोत, पार्षद आलोक साहू, राहूल दायमा, पार्षद प्रतिनिधि विनय सांगते, बाबु यादव, संजय दायमा, भाजपा नेता विजयसिंह पंवार, ओम जोशी, एडव्होकेट अशोक वर्मा, अशोक चौहान सागौर, सुभाष वर्मा इंदौर, रामजी राम, पुरुषोत्तम चौहान, कैलाश वर्मा, अशोक वर्मा, अशोक चौहान, प्रदीप श्रीवास, देवेंद्र नवगोत्री, मधु शर्मा, सुरेश सिलोदिया, जुगनू गोस्वामी, संजय ठाकुर आदि मंचासीन थे।

सर्वप्रथम अतिथियों ने फीता काटकर सेनजी महाराज की छत्री का अनावरण किया व सेनजी महाराज की आरती कर पूजन किया। स्वागत भाषण देते हुए क्षेत्रीय पार्षद व निगम नेता सत्तापक्ष मनीष सेन ने संपूर्ण सेन समाज को यह सौगात देने के लिए विधायक, महापौर, सभापति व नगर निगम समस्त पदाधिकारियों के सहयोग का जिक्र किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गायत्रीराजे पवार ने कहा कि संत शिरोमणि सेन जी महाराज का जीवन भक्ति व आध्यात्म से भरा रहा है। उनके जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है। उनके विचार सेन समाज की ही नहीं संपूर्ण हिंदू समाज को जागृति व चेतना देते है। विधायक श्रीमंत पवार ने सेनजी महाराज की इस सुंदर छत्री निर्माण के लिए पार्षद मनीष सेन की प्रशंसा भी की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने सेनजी महाराज की छत्री अनावरण की सभी समाजजनों को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

अतिथियों का स्वागत महेश बोड़ाने, जीतू चौहान, अर्जुन वर्मा, अरुण परमार, राकेश वर्मा, अनिल वर्मा, अजय परमार, हरीश श्रीवास, राहुल राठौर, नीतेश सेन, प्रदीप सेन, कमलेश श्रीवास, दीपक परमार, विकास वर्मा, नीरज वर्मा, अशोक वर्मा, रामेश्वर नागेश, राजेंद्र राठौर, विष्णु नागेश, कचरूलाल वर्मा, डॉ. गौरीशंकर वर्मा, सुरेश पंवार, बंशीलाल रेनिवाल, मनोज पंवार, बाबूलाल पंवार, एडव्होकेट गोपाल पंवार, एडव्होकेट राजेश वर्मा, धर्मेंद्र रेनीवाल, अनिल वर्मा, पंकज वर्मा, मनोज श्रीवास, अभय श्रीवास, अशोक सेन, दिनेश श्रीवास, कैलाश श्रीवास, हेमराज इटोरिया, लक्ष्मण श्रीवास, अतुल बहेरिया, नारायण श्रीवास, संजय सेन, पवन वर्मा, ब्रजमोहन सराठे, रमेश सियावाले, हेमंत वर्मा, नीलेश श्रीवास, राकेश वर्मा, राहुल वर्मा, धीरज सेन, गौरव सेन, कुशाल राठौर, कुलदीप नागेश, आशीष नागेश, आशीष वर्मा, गोपाल वर्मा, रूपेश वर्मा, गौरव श्रीवास, मनोज वर्मा आदि ने किया। कार्यक्रम में शाजापुर, उज्जैन, इंदौर, शुजालपुर, राघौगढ़, डबलचौकी, सोनकच्छ, विजयागंज मंडी, बरोठा सहित देवास के संपूर्ण सेन समाज बंधु व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चेतन उपाध्याय ने किया एवं आभार जीतू चौहान ने माना।

जंगली जानवर ने हिरण का किया शिकार, छौना सुरक्षित

प्रत्यक्षदर्शी महिला भी नहीं कर पाई जानवर की पहचान, ग्रामीण जता रहे तेंदुए की आशंका

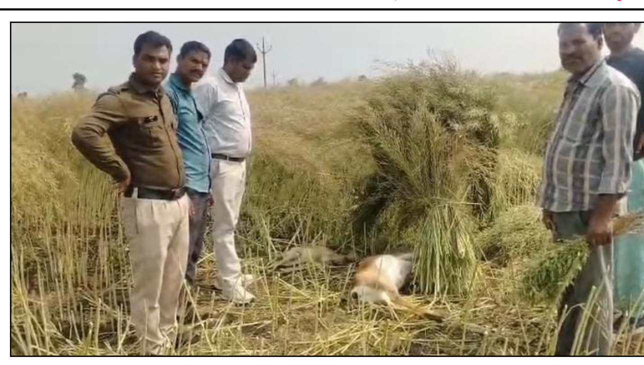

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जंगली जानवर की दहशत बनी हुई है और जंगल में मिल रहे हिरणों के शव ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रहे हैं। मंगलवार को भी एक हिरण का शव सारंगपुर-सलसलाई रोड पर पड़ा मिला। हालांकि शिकार करते हुए जंगली जानवर को एक महिला ने जरूर देखा लेकिन वह भी जानवर की पहचान नहीं कर पाई। जिससे यह तो तय है कि जंगली जानवरों की यहां हलचल है, लेकिन जानवर कौन सा है इसकी जांच वन विभाग की टीम कर रही है।

अकोदिया स्थित सलसलाई-सारंगपुर रोड पर एक पेट्रोल पंप के पास मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे एक जंगली जानवर ने मादा हिरण का शिकार किया। तभी वहां से गुजर रही एक महिला की नजर उस पर पड़ गई। घबराहट में महिला केवल इतना ही देख पाई कि उस जानवर के शरीर पर काली और पीले रंग की धारियां बनी हुई थी। जिसके बाद उसने घबराकर शोर मचा दिया जिससे जानवर अपने शिकार को वहीं छोड़कर भाग निकला। मौके पर मौजूद अन्य महिलाओं ने महिला कभी उस जंगली जानवर को तेंदुआ बता रही थी तो कभी छोटे कद का जानवर कह रही थी। इस घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। सूचना मिलने पर पहुंची वन विभाग की टीम ने वहां शव को देखा। मौके पर पहुंचे वन विभाग के रेस्क्यू एक्सपर्ट हरीश पटेल ने बताया कि जहां जानवर ने शिकार किया वहां जानवर के पगमार्क नहीं मिले हैं। जिससे यह कह पाना फिलहाल मुश्किल है कि शिकार करने वाला जानवर कौन सा था। हिरण के मुंह पर और गर्दन पर खरोंच के निशान मिले हैं। फिलहाल हिरणी के शव का पीएम करवाया गया है जिससे पता चल सके कि शिकार किस जानवर ने किया है। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

हिरणी को मारा, छौना (हिरणी का बच्चा) को छोड़ा

जिस जंगली जानवर ने यह शिकार किया है उसने हिरणी को तो मार दिया, लेकिन छौना (हिरणी का बच्चा) को छोड़ दिया। जो अपनी मां के शव के पास काफी देर तक लेटा रहा। जब वन विभाग की टीम शव को ले जा रही थी उस समय वह उसके बच्चे को भी अपने साथ ले आए ताकि उसकी देखभाल की जा सके। इसके बाद टीम ने शव का पीएम किया। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद पता चल सकेगा कि यह काम किस जानवर का है।

दो माह से दहशत में जी रहे ग्रामीण- दिसंबर माह से ही जंगली जानवर की उपस्थिति ने ग्रामीणों की नींद उड़ा रखी है। जनवरी माह में तो ग्रामीणों ने तेंदुए को अपनी आंखों से देखा था। यही वजह थी कि हिरण का या किसी भी जानवर का शव मिलने पर तेंदुए के होने का शक जताते हैं। वन विभाग की टीम भी इस बात से वाकिफ है कि तेंदुआ भी हो सकता है, लेकिन फिलहाल टीम द्वारा जांच की जा रही है।

इनका कहना है- हिरणी पर कुत्तों ने हमला किया होगा जिससे उसकी मौत हुई है। शव का पीएम करवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

- पुष्पलता मौर्य, रेंजर-शाजापुर

सुबह लगाया था ताला, शाम को लौटे तो गायब मिला सामान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थानांतर्गत ग्राम पांडूखोरा स्थित एक मकान से अज्ञात बदमाश हजारों का सामान चुरा ले गए। जहां चोरी हुई वह परिवार सुबह घर पर ताला लगाकर काम पर चला गया था। शाम को लौटे और दरवाला खोला तो सामान बिखरा था और घर से नगदी व आभूषण गायब थे। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि सोमवार शाम को ग्राम पाण्डुखोरा निवासी 21 वर्षीय गोपाल पिता गिरधारी लाल गौर ने अपने जीजा कैलाश राठौर के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि वह सोमवार सुबह करीब 10 बजे घर पर ताला लगाकर खेत पर गए थे। शाम करीब 5 बजे जब वह वापस लौटे। दरवाजा खोला तो उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था।

जांच के दौरान पाया गया कि घर में रखी लोहे की अलमारी और कपड़े रखने की लकड़ी की पेटी से चांदी का एक करदोना, दो आंवल, दो बारीक आंवले, दो चांदी की चूड़ियां और कुछ नकदी गायब थी। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 87 हजार रुपये आंकी गई है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि फिलहाल चोरी हुए सामान के बिल उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन बिल मिलने पर उन्हें थाने में प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अपने और अपनों के सपने करें साकारः यादव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अब तक आप लोगों ने विद्यार्थी जीवन में जो सीखा उसे अमल में लाने का समय आ गया है। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आपको तराशने का काम किया है ताकि आप लोग जीवन में आगे बढ़ें और अपने लिए सही दिशा का चयन कर सुनहरे भविष्य का निर्माण करें। अब आप पर निर्भर करता है कि आप लोग अपना जीवन किस दिशा में ले जाते हैं जहां आपके ही नहीं बल्कि आपके अपनो के सपने भी साकार हो सकें।

यह बात एबी रोड स्थित कौटिल्य एज्यूकेशन में आयोजित कक्षा 12वी के बच्चों के विदाई समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव ने कही। उन्होंने कहा कि आज का समय प्रतिस्पर्धा का समय है, जहां सिर्फ मेहनत नहीं बल्कि सच्ची लगन से मेहनत की जरूरत है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। संचालिका शशि यादव ने कहा कि आपके संस्कार आपकी ही नहीं बल्कि आपके विद्यालय की भी पहचान बनेंगे। इसीलिए आप लोगों को यहां हर स्थिति से लड़ना सिखाया गया है। आपके जीवन में नई-नई चुनौतियां भी आएंगी, जिनका सामना आपको डटकर करना है। यदि स्कूल प्रबंधन की आपको जहां भी सहायता लगे हम लोग आपके लिए हर समय तैयार हैं। कार्यक्रम को प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया, प्रशासनिक समिति अधिकारी पंकज यादव, उप प्राचार्य रामकृष्ण पाटीदार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर आर्यन यादव, अपूर्व नागर, अर्पण पाटीदार, अजय विश्वकर्मा, नित्या अभिलाष, सुरेश मालवीय, संगीता व्यास, उमा यादव, हिमांशी कुशवाह सहित बड़ी संख्या मे विद्यार्थी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दी सीनियरों को विदाई - विदाई समारोह में विद्यार्थियों ने मंच के माध्यम से अपने सीनियरों के लिए आकर्षक प्रस्तुति दी ताकि उनकी विदाई को यादगार बना सके। जिसे सभी ने खूब सराहा। इसके बाद विद्यालय परिवार की ओर से विदा हो रहे विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह व शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई।

बिना मोबाइल परीक्षा कक्षों में पहुंचे केंद्राध्यक्ष व परीक्षक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पूरे साल की मेहनत का परिणाम पाने के लिए मंगलवार से बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षार्थियों का पहला पेपर देने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे, जिनके चेहरों की मुस्कान बता रही थी कि पेपर कैसा रहा। हालांकि परीक्षा में विद्यार्थियों को कड़ी निगरानी में रहना पड़ा। यहां तक कि परीक्षा केंद्रों पर तैनात केंद्राध्यक्ष, परीक्षक और अन्य लोगों को भी मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं थी। जिनके मोबाइल परीक्षा शुरू होने के पहले ही सील कर लिए गए थे।

मंगलवार से माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की वार्षिक परीक्षा शुरू हुई। इस दिन कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का पेपर दिया। इस बार परीक्षा को लेकर सख्ती बढ़ाई गई है। इसमें परीक्षा केंद्र पर तैनात केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष सहित समस्त शिक्षकों एवं यहां पर उपस्थित पुलिसकर्मियों के मोबाइल भी परीक्षा अवधी में सील रखे गए जो परीक्षा के बाद लौटाए गए। इस दौरान केवल कलेक्टर प्रतिनिधि को ही मोबाइल रखने की अनुमति दी गई थी। मंगलवार को 58 केंद्रों पर हुई परीक्षा में 9131 में से 9041 बच्चे उपस्थित व 90 अनुपस्थित रहे।

उर्दू के पेपर से होगी 10वी की शुरूआत- कक्षा 10वी की परीक्षाओं की शुरूआत 13 फरवरी से उर्दू के पेपर के साथ होगी। इस परीक्षा में कुल 12,885 विद्यार्थी शामिल होंगे। इनमें 12,326 नियमित व 559 स्वाध्यायी परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसके लिए भी केंद्रों का निर्धारण सहित अन्य तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यहां भी पूरी सख्ती व अनुशासन के साथ परीक्षा ली जाएगी।

59 परीक्षा केंद्र, 4 रिजर्व, 4 अतिसंवेदनशील- परीक्षा प्रभारी राजेश वर्मा ने बताया कि इस वर्ष कक्षा 12वीं की परीक्षा के लिए जिलेभर में मिलाकर कुल 59 परीक्षा केंद्र बनाएं गए है। इसके साथ ही 4 रिजर्व परीक्षा केंद्र भी तैयार किए गए है। जिनकी जरूरत पड़ने पर उपयोग किया जाएगा। इधर जिले में इस बार एक भी परीक्षा केंद्र संवेदनशील की श्रेणी में नहीं है। हालांकि कुल 4 परीक्षा केंद्रों को अतिसंवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। बताया गया कि इन चार परीक्षा केंद्रों पर स्वाध्यायी परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचेंगे। ऐसे में यहां पर विशेष चौकसी बरती जाएगी।

मोबाइल से सीधे पोर्टल पर दर्ज होगी परीक्षा की जानकारी- परीक्षा प्रभारी ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित केंद्राध्यक्ष द्वारा प्रश्न-पत्र समाप्त होने के पश्चात अपने मोबाइल से परीक्षा की जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। इसमें परीक्षा केंद्र पर कुल दर्ज छात्र संख्या, कुल उपस्थित संख्या, कुल अनुपस्थित संख्या दर्ज की जाएगी। साथ ही यदि परीक्षा केंद्र पर कोई परेशान या कुछ नकल प्रकरण अथवा अन्य कोई गतिविधि हुई तो उसकी जानकारी भी भरना होगी।

फरवरी में ही 31 पार हुआ तापमान, छूटने लगे पसीने, सुबह-शाम अभी भी हो रहा गुलाबी सर्दी का एहसास

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनवरी माह बीतते ही सर्दी का मौसम भी अंतिम दौर में पहुंच गया है। इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अभी फरवरी माह का दूसरा सप्ताह ही शुरू हुआ है और तापमान ने ऊंची छलांग लगा दी है। मंगलवार को नगर का अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग की माने तो अगले सप्ताह तापमान 35 या 40 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। हालांकि सुबह-सवेरे और सूरज ढलने के बाद जरूर सर्दी का एहसास हो रहा है। लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही लोगों के पसीने छूटने लगे हैं। हालात ये हैं कि लोगों को दिन में अब पंखों का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन शाम होते ही फिर लोगों को गर्म कपड़ों की याद आने लगती है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि कुछ दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा। अगले सप्ताह से तापमान में और उछाल आएगा और रात व सुबह भी मौसम गर्म रहेगा। उन्होंने बताया कि आगामी सप्ताह से दिन का तापमान 35 व न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। मंगलवार को भी नगर का न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह-सुबह सर्द हवाएं डेरा डाले हुए है जिससे लोगों को सर्दी का एहसास हो रहा है। सुबह जल्दी काम पर निकलने वाले लोगों को गर्म कपड़े राहत दे रहे हैं। जिसके चलते सुबह और शाम हल्की सर्दी बनी हुई है। लेकिन कुछ दिनों बाद सुबह और शाम से भी सर्दी गायब हो जाएगी।

जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी

कलेक्टर श्री चंद्रा की उपस्थिति में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश, शहरी विकास परियोजना अधिकारी श्री पराग जैन, जिला जनगणना समन्वय समिति के सदस्य और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री चंद्रा ने बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने और सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि भारत की जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। जनगणना 2027 का प्रथम चरण 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक करेगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी।

प्रथम चरण में प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा घर-घर दस्तक देकर मकान सूचीकरण का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। मकान सूचीकरण के कार्य के लिए स्वगणना का विकल्प 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रथम चरण के पूर्व 15 दिन तक उपलब्ध रहेगा। मकान सूचीकरण के कार्य में प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा शासन द्वारा अधिसूचित 33 सवाल पूछे जाएगें।

दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी, 2027 में होगा। जनसंख्या की गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। साथ ही व्यक्तियों के सम्बन्ध में अन्य विभिन्न बिन्दुओं जैसे- आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, धर्म, दिव्यांगता, मातृभाषा, साक्षरता, शैक्षणिक योग्यता, आर्थिक क्रियाकलाप, प्रवास, प्रजननता विवरण इत्यादि पर जानकारी एकत्रित की जाएगी।

जनगणना 2027 देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें अप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। जनगणना के समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सेन्सस् मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम(छश्रश्र) पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, निवासियों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वगणना वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा।

जनगणना से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों का निष्पादन जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। जनगणना के दौरान संकलन व्यक्तिगत जानकारियॉं पूर्णतः गोपनीय होती हैं और इसे किसी अन्य के साथ साझा नहीं किया जाता है। साथ ही एकत्रित की गई व्यक्तिगत जानकारी को कहीं पर भी साक्ष्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। जनगणना 2027 के प्रगणक, पर्यवेक्षक या कोई अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के ओटीपी या बैंक डिटेल्स की मांग नहीं की जाएगी।

जनगणना के डिजिटल टूल्स

1. आंकड़ों का संग्रहण-

अ. मकान सूचीकरण ऐप (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन्स HLO App)

ब . जनगणना ऐप (पॉपूलेशन इनूमरेशन PE App)

2. स्व गणना पोर्टल

3. सेन्सस् मेनेजमेन्ट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (CMMS) पोर्टल

4. हाउस लिस्टिंग ब्लाक क्रिएटर (HLBC) वेब मेप ऐप

जनगणना 2027 के लिए मास्टर ट्रेनरों द्वारा फिल्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिल्ड ट्रेनरों द्वारा प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को 03 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनगणना 2027 में भाग लेने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को शासन द्वारा मानदेय भी दिया जाएगा।

आवेदक गणपत को आटा चक्की के लिए तत्काल विद्युत कनेक्शन प्रदान करें-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 88 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में ग्राम जावी के गणपत पिता कन्हैयालाल ने आटा चक्की स्थापित किए तीन माह हो जाने पर भी विद्युत कनेक्शन नहीं मिलने और नवीन विद्युत कनेक्शन करवाने के अनुरोध पर कलेक्टर ने म.प्र.प.क्षेत्र विद्युत कंपनी के अधीक्षण यंत्री को आवेदक को नियमानुसार तत्काल विद्युत कनेक्शन प्रदान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में खेरमालिया के उंकारलाल मेघवाल ने अपनी खसरा नम्बर 1301 की जमीन पर दारू के एक व्यक्ति द्वारा जबरन किया गया कब्जा हटाकर, कब्जा दिलाने के अनुरोध पर एसडीएम नीमच व तहसीलदार को मंगलवार को ही मौके पर राजस्व टीम भेजकर उंकारलाल को कब्जा दिलाने के निर्देश दिए। रावतखेड़ा के शंभुसिह, गुजरखेड़ी के नानालाल, ग्वालटोली की गीताबाई, मुंदडा के नन्दलाल, बघाना के सुभाष, नीमच के रूपेन्द्र, मांगीलाल, टी.आई.टी.कालोनी नीमच की अनिता, उचेड़ की जमुना टेलर, सुवाखेड़ा के राजेश नायक, धामनिया के दिलीप, हरवार की कोशल्या, मनासा के लखनसिह, चौथखेडा की कमलाबाई, राजपुरिया के राधेश्याम, सोनियाना की गीताबाई ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह डिकेन की घीसीबाई, कुचड़ौद की कौशल्याबाई, नीमच सिटी की गीताबाई, ग्वालटोली की ललिता, बघाना की रेखाबाई, कुकडेश्वर मोतीलाल, इंदिरा नगर नीमच की पुष्पा, कंवरजी का खेड़ा देवीलाल, निपानिया आबाद के बाबूलाल, बल्दरखा देवरिया के शंकरलाल, दारू के जमनालाल, झिरन्या के कुतुबुद्धिन,मागंरोल के हरिसिह, नीमच की आफियाबाई, लाछ के नारायण, सिंधी कालोनी नीमच के चंद्रप्रकाश ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

अयोध्या यात्रा में नगर परिषद उन्हेल से 85 तीर्थ यात्रियों का चयन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत दिनांक 10.02.2026 को अयोध्या जाने वाली यात्रा में उन्हेल नगर से 85 चयनित तीर्थ यात्रियों का स्वागत नवीन बस स्टैंड परिसर में किया गया । नगर परिषद शांतिलाल हल्कारा, उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय नगर परिषद उन्हेल द्वारा यात्रियों को संबोधित करते हुए यात्रा मंगलमय हो की शुभकामना दी गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन, पार्षद नागेश माली, संजय शिंदे, मंजूबला महावीर जैन, पार्षद प्रतिनिधि मनोहर लाल ढोढरिया, मयूर जैन, चंदरलाल चौहान, गोविंद नंदेडा उपस्थित रहे। सभी यात्रियों को उज्जैन रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म से यात्रा प्रभारी जितेंद्र जैन एवं गौरव लोकरे के द्वारा ट्रेन बिठाया जाएगा।

सेफर इंटरनेट डे का आयोजन किया गया

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय गौलाना में संस्था प्राचार्य डॉक्टर बी एस बिभूति के निर्देशन मे स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं स्टॉफ ने मिलकर सेफर इंटरनेट डे 10 फरवरी का आयोजन किया, उक्त अवसर पर संस्था प्राचार्य ने विद्यार्थीयों को सेफर इंटरनेट डे के बारे मे बताया तथा उन्हें साइबर अटैक एवं फ्रॉड से बचने के उपाय बताये तथा विद्यार्थियों को आगाह किया की वे किसी भी अनजाने कॉल या फाइल्स और लिंक पर क्लिक ना करें तथा अपने साथ होने वाली साइबर धोखाधड़ी की सुचना तुरंत साइबर सेल को देवें। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संस्था के कंप्यूटर विभाग के श्री संदीप पटेल ने सेफर इंटरनेट डे की थीम से अवगत करवाते हुए उन्हें आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व के बारे मे बताया तथा‸ढ्ढ के क्षेत्र मे करियर की सम्भावनाओं तथा प्लेसमेंट के अवसरों की उपलब्धता के बारे मे बताया। उक्त अवसर पर विद्यार्थी एवं स्टॉफ की उपस्थिती रही। विभाग द्वारा जारी मासिक गतिविधियों के फरवरी माह के अंतर्गत इस तृतीय कार्यक्रम का आयोजन प्रकोष्ठ प्रभारी द्वारा की गया, इसके पूर्व इंडियन कॉस्ट गार्ड डे एवं वर्ल्ड वेटलैंड डे के कार्यक्रम का आयोजन भी माह के प्रथम सप्ताह मे किया गया। जानकारी स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के जीवन लाल शर्मा द्वारा दी गई।

कलेक्टर द्वारा अवैध खनिज परिवहन के चार प्रकरणों में 99 हजार रूपये से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के चार प्रकरणों में कुल 99 हजार 955 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक घनश्याम पिता बद्रीलाल निवासी खानखेडी द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 28750 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक इन्द्रजीत पिता कैलाश पाटीदार निवासी भरभडिया द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 28750 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं।

अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक कारूलाल पिता रामलाल बाछ्डा निवासी लसुडी आंत्री द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 28750 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। इसी तरह अनावेदक अवैध खनिज परिवहनकर्ता वाहन मालिक सुरजमल पिता जीतमल निवासी चेनपुरा द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 2790 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 10 हजार 915 रूपये इस प्रकार कुल 13 हजार 705 रूपए, इस प्रकार चार प्रकरणों में कुल 99 हजार 955 रूपये की शास्ति अधिरोपित की हैं। खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध परिवहन पाए जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर कलेक्टर न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किए गए थे।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अवैध खनिजों के उत्खनन और परिवहन पर की गई प्रभावी कार्रवाई

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिजों के उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधनी एवं रेहटी क्षेत्र अंतर्गत खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा नर्मदा नदी से अवैध रेत उत्खनन करते हुए 01 पोकलेन एवं 01 जेसीबी मशीन जब्त की गई है। जिसे शाहगंज थाने की अभिरक्षा में रखा गया है। इसी प्रकार टीम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करते हुए 01 टेक्टर-ट्राली जब्त कर इछावर थाने की अभिरक्षा में रखा गया है तथा मुरूम खनिज का अवैध परिवहन करते हुए पाए गए 01 डम्पर जब्त कर रेहटी थाना की अभिरक्षा में रखा गया है। जिला खनिज अधिकारी श्री धर्मेंद चौहान बताया कि सभी वाहनों पर खनिज नियमों एवं प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

जमोनिया तालाब पर बचाव के लिए पहुंची रेस्क्यू टीमें, पानी में डूब रहे लोगों की बचाई जान

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज दोपहर लगभग 01 बजे जमोनिया तालाब के पास मौजूद लोगों में उस समय हड़कंप मच गया, जब तालाब में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार व्यक्ति पानी में हाथ-पैर मारते हुए मदद के लिए पुकार रहा था। वहीं तालाब के दूसरे छोर पर बने एक छोटे टापू पर कुछ लोगों के फंसे होने की खबर से स्थिति और गंभीर हो गई। इस घटना की सूचना लोगों ने तत्काल प्रशासन को दी।

सूचना मिलते ही कलेक्टर श्री बालागुरू के., जिला प्रशासन, एसडीईआरएफ, एनडीआरएफ एवं होमगार्ड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें तत्काल मौके के लिए रवाना हुईं। कुछ ही देर में मोटर बोट, रेस्क्यू उपकरण और गोताखोरों के साथ बचाव दल तालाब में उतर गया। डीप डाइविंग तकनीक का उपयोग करते हुए पानी में डूबे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं टापू पर फंसे लोगों तक मोटर बोट के माध्यम से पहुंचकर उन्हें लाइफ जैकेट पहनाई गई और सुरक्षित किनारे तक लाया गया। पूरे घटनास्थल पर बचाव कार्य युद्धस्तर पर संचालित होता रहा, जिसे देख मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

दरअसल यह पूरा घटनाक्रम शासन के निर्देशानुसार बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित वृहद मॉक ड्रिल का हिस्सा था। इस मॉक ड्रिल में जल आपदा से निपटने की विभिन्न तकनीकों का सजीव प्रदर्शन किया गया, जिसमें डीप डाइविंग के माध्यम से डूब रहे व्यक्ति को जीवित निकालना तथा ड्राय रेस्क्यू (सूखा बचाव) जैसी तकनीकों का सफल अभ्यास शामिल था। इस दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. सहित अन्य अधिकारी इस मॉकड्रिल को देख रहे थे।

मॉक ड्रिल के उपरांत एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड के पास उपलब्ध आधुनिक बाढ़ बचाव उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में डीप डाइविंग सेट, सोनार सिस्टम, बीए सेट, मोटर बोट इंजन तथा इमरजेंसी लाइट जैसे अत्याधुनिक उपकरण प्रदर्शित किए गए, जो आपदा के समय जीवन रक्षक सिद्ध होते हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने मॉक ड्रिल का अवलोकन किया तथा बचाव दल की त्वरित कार्यप्रणाली एवं तकनीकी दक्षता की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर बच्चों एवं ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाए तथा सीपीआर देना भी सिखाया जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में जनहानि को कम किया जा सके।

इस अवसर पर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, सीएसपी श्रीमती अभिनंदना शर्मा, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्रीमती नीलमणी लडिया, तहसीलदार श्री भरत नायक, जनअभियान परिषद जिला समन्वयक श्रीमती पारुल उपाध्याय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी नेतृत्व सीसी श्री निलेश कुमार एवं पीसी श्री महेंद्र वर्मा द्वारा किया गया।

झांतला की ललिता देवी गर्ग का असामयिक निधन पर नगर में शोक

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झांतला में सोमवार की रात्रि में अशोक कुमार गर्ग की धर्म पत्नी व पवन कुमार ,नीलेश कुमार की माताजी , अध्यापक भूपेश कुमार एवं वरिष्ट पत्रकार राजेश शर्मा की भाभी जी श्रीमती ललिता देवी गर्ग का निधन हो गया। बतादे की एक अत्यंत शालीन मिलनसार और दयालु महिला के असामयिक निधन से हर कोई गहरा सदमे में है ।जिससे पूरे नगर, समाज और परिवार में शोक की लहर दौड़ गयी। स्वर्गीय ललिता गर्ग का प्रेमपूर्ण व्यवहार और उदारता अनुकरणीय थी,ओर उनके जाने से एक ऐसा शून्य पैदा हो गया है जिसे कभी भरा नही जा सकता। स्वर्गीय ललिता देवी की अंतिम यात्रा नई आबादी स्थित अपने निवास से निकल कर झवरेश्वर मुक्ति धाम पहुची जंहा अपने दोनों बेटे पवन व नीलेश गर्ग में उन्हें मुखाग्नि दी अंतिम संस्कार के दौरान स्वजाति बधू एवं नगर के गणमान्य नागरिकों द्वारा एक शोक सभा का आयोजन रखा जिसमे बड़ी संख्या में उपस्थिति जनों ने स्वर्गीय आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जिले में शांति, सौहार्द और हर्षोल्लास से मनाए जाएंगे सभी पर्व

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी महाशिवरात्री, होली, रंगपंचमी, गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्री, चेती चांद, ईद-उल-फितर, श्रीराम नवमी, महावीर जयंती, हनुमान जयंती, गुड फ्रायडे, डॉ अम्बेडकर जयंती, परशुराम जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, ईदुज्जुहा और मोहर्रम आदि त्योहारों को हर्षोल्लास एवं शान्ति पूर्वक मनाने के लिए जिला पंचायत सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी सभी पर्वों पर सीहोर नगर तथा जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक समारोहों के दौरान व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई ।

बाल विवाह के विरुद्ध जन जागरूकता हेतु सौ दिवसीय अभियान

बाल विवाह देश और समाज के भविष्य के लिए घातक है -सेक्टर सुपरवाइजर सोलंकी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाल विवाह के विरुद्ध सौ दिवसीय जन जागरूकता अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना रतनगढ़ अंतर्गत महिलाओं को जागरूक किया गया।

सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती सीमा सोलंकी ने उपस्थित महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया कि लड़की की उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम होने पर करवाया जाने वाला विवाह बाल विवाह कहलाता है बाल विवाह के कारण बच्चों का शारीरिक मानसिक और सामाजिक विकास रुक जाता है कम उम्र में विवाह से मातृ मृत्यु दर बढ़ती है बच्चियों की शिक्षा बाधित होती है घरेलू हिंसा और गरीबी का खतरा बढ़ता है यह देश और समाज के भविष्य के लिए भी घातक हैं सेक्टर सुपरवाइजर ने बताया कि बाल विवाह करने और करवाने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार 2 वर्ष तक का करावास 100000 तक का जुर्माना या दोनों दंड एक साथ हो सकते हैं जैसे दुष्परिणामों के बारे में बताया बाल विवाह में सहयोग करने वाला हर व्यक्ति अपराधी माना जायेगा और कानूनन दंड का भागी होगा। इस दौरान श्रीमती सोलंकी ने उपस्थित महिलाओं को बाल विवाह नहीं करने की शपथ भी दिलवाई।

कलेक्टर ने की कृषि, उद्यानिकी, खाद्य एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर कृषि, खाद्य एवं खाद्य सुरक्षा विभाग के कार्यों और गतिविधियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। बैठक में उन्होंने खाद-बीज की उपलब्धता, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के संचालन के बारे में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को नियमित और निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों का नियमित निरीक्षण करने, पात्रता सूची का सत्यापन कराने तथा वितरण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजारों एवं प्रतिष्ठानों से नियमित रूप से फूड सैंपल लेकर परीक्षण कराया जाए तथा मिलावट पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नरवाई जलाने की घटनाओं पर रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को जागरूक करने, वैकल्पिक प्रबंधन तकनीकों को बढ़ावा देने तथा ग्राम स्तर पर निगरानी तंत्र मजबूत करने पर जोर दिया।

उन्होंने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों निर्देश देते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिससे किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएं और उनकी लागत घटे और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि सभी आपस में समन्वय के साथ कार्य करें और परिणाममूलक प्रगति सुनिश्चित करें।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निर्देशानुसार सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प, एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग÷ की थीम पर जिला सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बागेर के शासकीय स्कूल में साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जागरूक, सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनाना था।

कार्यशाला में जिला सूचना अधिकारी श्री अनिल परमार द्वारा कक्षा 11वीं, 9वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों को इंटरनेट, मोबाइल, डिजिटल प्लेटफॉर्म आदि के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल दुनिया में सतर्कता बरतने के आवश्यक उपायों से अवगत कराया।

इस दौरान विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं स्मार्ट तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के विषय में भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षित इंटरनेट दिवस प्रतिवर्ष फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को मनाया जाता है। कार्यशाला में विद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला आपदा प्रबंधन क्षमता वृद्धि कार्यशाला का आयोजन

अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटना से बचाव का दिया गया प्रशिक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला आपदा प्रबंधन क्षमता वृद्धि कार्यशाला (अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटना से बचाव तकनीक) का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कलेक्टर नेहा मीना द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि आपदा प्रबंधन एक सतत एवं समन्वित प्रक्रिया है, जिसमें चार प्रमुख चरण शामिल होते हैं मिटिगेशन, प्रिपेयर्डनेस, रिस्पॉन्स एवं रिकवरी। इन सभी चरणों की स्पष्ट समझ एवं प्रभावी क्रियान्वयन से ही किसी भी आपदा के दुष्प्रभावों को न्यूनतम किया जा सकता है।

कलेक्टर ने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जा रहा है, ताकि वे आगे चलकर कॉलेजों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, विशेषकर अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटनाओं से बचाव की तकनीकों का प्रशिक्षण दे सकें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे कार्यशाला को गंभीरता से समझें तथा आगामी 20 तारीख को आयोजित होने वाले डिमॉन्स्ट्रेशन के दौरान सभी प्रक्रियाओं को व्यवहारिक रूप से आत्मसात करें।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान आपदा से जुड़ी विभिन्न भ्रांतियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। प्रतिभागी अपने सुझाव साझा करें तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप व्यवहारिक उपाय प्रस्तुत करें, जिससे प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि आगामी दो माह के भीतर डिसेंट्रलाइज्ड रूप से कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक आपदा प्रबंधन की जानकारी पहुँचाई जा सके। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक मॉक ड्रिल आयोजित करने पर भी विशेष जोर दिया।

कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया ने कहा कि प्रतिभागी कार्यशाला को ध्यानपूर्वक समझें, देखें और सीखें। उन्होंने बताया कि फील्ड में किसी भी आपात स्थिति में फर्स्ट रिस्पॉन्डर सबसे पहले मौके पर पहुँचते हैं, ऐसे में उन्हें यह स्पष्ट रूप से ज्ञात होना चाहिए कि उस समय क्या करना है और किन सावधानियों का पालन करना है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वास्तविक परिस्थितियों में सुरक्षित, त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ने कहा कि अग्नि एवं विस्फोट दुर्घटनाओं से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन में कलेक्टर की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से फायर कर्मियों एवं फर्स्ट रिस्पॉन्डर को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि आपदा की प्रारंभिक अवस्था में ही आग पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

जिला कमांडेंट द्वारा आग के प्रकार (क्लासिफिकेशन), आग बुझाने के सिद्धांत तथा अग्निशमन यंत्रों के संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आग को प्रारंभिक अवस्था में नियंत्रित कर उसे बड़ी घटना में परिवर्तित होने से रोकने के उपायों का प्रशिक्षण एवं डेमोंस्ट्रेशन दिया गया। एलपीजी में लगी आग को सुरक्षित रूप से बुझाने के तरीकों की भी जानकारी दी गई।

चीफ वार्डन सिविल डिफेंस श्री धुजेंद्र व्यास द्वारा धुएँ से भरे कमरे से फँसे हुए व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने की विधियों तथा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। डिप्टी जीएम गेल इंडिया लिमिटेड श्री अमित देवास्कर द्वारा पाइपलाइन सेफ्टी से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले,एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, नगर परिषदों की फायर टीम तथा जन अभियान परिषद से जुड़े प्रतिभागी उपस्थित रहे।

संवेदनशील प्रशासन का उदाहरणः कलेक्टर ने वितरित किए अनुकंपा नियुक्ति पत्र

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों में कार्यवाही करते हुए आज पात्र आवेदकों को अनुकंपा नियुक्ति पत्रों का वितरण कलेक्टर नेहा मीना के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन उपस्थित रहीं। कलेक्टर नेहा मीना ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति केवल एक शासकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में परिवार को संबल देने का माध्यम है। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों से अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं सेवा-भाव से निर्वहन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री सुनील भूरिया पिता स्व. श्री बाबु भूरिया को प्राथमिक शिक्षक विज्ञान/प्रयोगशाला शिक्षक के पद पर उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामा में पदस्थ किया गया। श्रीमती मधु कटारा पति स्व. श्री भुरजी कटारा को चतुर्थ श्रेणी भृत्य के पद पर कन्या माध्यमिक विद्यालय खवासा में पदस्थ किया गया। श्री कमल कुमार हटीला पिता स्व. श्री मानसिंह हटीला को चतुर्थ श्रेणी भृत्य के पद पर अजजा बालक आश्रम माछलिया में पदस्थ किया गया। वहीं कार्तिकेय बिलवाल पिता स्व. श्री कांति बिलवाल को चतुर्थ श्रेणी भृत्य के पद पर कर्मचारी पुत्रों के छात्रावास झाबुआ में पदस्थ किया गया। कलेक्टर नेहा मीना ने सभी नव-नियुक्त आवेदकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नियुक्ति उनके जीवन में नई शुरुआत का प्रतीक है और शासन सदैव पात्र हितग्राहियों के साथ खड़ा है। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय दस्तक अभियान कार्यशाला संपन्न

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के जिला प्रशिक्षण केंद्र पुराना अस्पताल परिसर खरगोन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दौलतसिंह चौहान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय दस्तक अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरिश्चंद्र आर्य, सोनल गुजर तथा समस्त बी.एम.ओ., बीईई, बीपीएम, बीसीएम की उपस्थिति रहे।

दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन 17 फरवरी से 19 मार्च 2026 के मध्य तक पूरे जिले में संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम में 09 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को निर्धारित मात्रा में विटामिन-ए का घोल एवं नियमित टीकाकरण सत्रों में समस्त छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण, वृद्धि निगरानी, मातृ एवं टीकाकरण कार्ड में विटामिन-ए अनुपूरण की प्रविष्टि करना आदि कार्य संचालित किए जाएंगे।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. धीरेंद्र सोनी द्वारा दस्तक अभियान की विस्तृत रणनीति एवं कार्ययोजना के बारे में उपस्थित सभी शासकीय सेवकों को अवगत कराया गया। साथ ही विटामिन-ए दवाई देने के मानकों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। एमएनडी श्री अरविंद वर्मा द्वारा दस्तक अभियान से संबंधित दिशा-निर्देशों एवं वर्तमान में शिशु स्वास्थ्य में जिले की स्थिति को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत रूप से अवगत कराया। प्रत्येक ग्राम में नियमित टीकाकरण एवं वीएसएचएनडी के दौरान ए.एन.एम. द्वारा 9 माह से 5 वर्ष तक उम्र के बच्चों को आयु अनुरूप विटामिन-ए घोल की खुराक पिलाई जाएगी। छूटे हुए शेष बच्चों को विटामिन-ए घोल की आयु-उपयुक्त खुराक नियमित टीकाकरण के अगले दिन मॉप-अप दिवस में घर-घर जाकर अथवा आंगनवाड़ी केंद्र में एकत्र कर ए.एन.एम. द्वारा पिलाई जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चौहान ने बताया कि यह अभियान 0 से 5 वर्ष की उम्र तक के बच्चों में कुपोषण कम करने, जन्म के समय वजन कम हो, दस्त रोग एवं श्वसन तंत्र के संक्रमण से बचाव एवं टीके से वंचित बच्चों को टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए।

कलेक्टर द्वारा दो आवेदकों को 5-5 हजार रुपये एवं दो आवेदकों को 2-2 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों द्वारा अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की गईं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 54 आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई के दौरान आवेदक श्री चंद्रकांता पति स्व. राजेश बसौड़ निवासी मेघनगर तहसील मेघनगर द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य के भवन पर जबरन कब्जा कर बेदखल किए जाने के संबंध में कार्यवाही कर भवन खाली कर सुपुर्द करवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आवेदक मन्नू पिता रालु पारगी निवासी ग्राम तांदलादरा तहसील मेघनगर द्वारा नल जल योजना अंतर्गत पूर्व सरपंच फलिये में पाइप लाइन कार्य नहीं कराए जाने एवं नल कनेक्शन हेतु सीमेंट पोल आज तक स्थापित नहीं किए जाने की शिकायत प्रस्तुत की गई। साथ ही उक्त फलिये में नल जल योजना का कार्य प्रारंभ कराए जाने की मांग की गई।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत ढेकलबड़ी के वेशिया फलिये के निवासियों द्वारा बताया गया कि फलिये में लगभग 70 से 90 परिवार निवासरत हैं, लेकिन पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। फलिये में नवीन हैंडपंप खनन करवाए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक बबलीबाई पति मडिया बारिया निवासी मातापाड़ा सुअरपाड़ा तहसील पेटलावद द्वारा सामलाती भूमि सर्वे नंबर 303/1, 340, 328 एवं 316 पर विपक्षी द्वारा अवैध रूप से मकान निर्माण किए जाने पर कार्यवाही किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।

कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों की तथ्यात्मक जांच कर नियत समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत - जनसुनवाई के दौरान आर्थिक सहायता हेतु प्रस्तुत आवेदनों पर कलेक्टर द्वारा सहानुभूतिपूर्वक विचार किया गया। आवेदक सुमित्रा रामचन्द्र निवासी उमरादरा तहसील मेघनगर एवं आवेदक श्रीमती दीपा वाखला निवासी समोई को ? 5,000-5,000 की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई।

इसी क्रम में आवेदक रेमा भूरिया निवासी सजवानी छोटी एवं अनिता तोलु निनामा, निवासी सजवानी छोटी को ? 2,000-2,000 की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई।

जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी सहित जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य संस्थाओं में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच की गई

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हर माह की 9 एवं 25 तारीख को सरकारी अस्पतालों में स्त्री रोग विशेषज्ञ व चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की जांच कर उपचार किया जाता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि सोमवार को हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जाँच व परामर्श दिया गया। जांच के दौरान जटिलताओं को देखते हुए ऐसी चिन्हांकित गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी के लिए खण्डवा भेजा जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जुगतावत ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान उचित आहार एवं पोषण जच्चा बच्चा के लिए जरुरी है। गर्भवति महिलाओं व उनके परिजनों को मिशन आंचल अभियान के तहत पोषण आहार व कुपोषण से बचाव के लिए शिविर स्थल पर ही स्वास्थ्य टीम के द्वारा परामर्श सेवाएं देकर घर पर ही उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पोषणयुक्त भोजन सेवन करने की सलाह दी गई। ताकि गर्भावस्था के दौरान अपने स्वास्थ्य के साथ साथ अपने बच्चे को उचित मात्रा में पोषण आहार मिल सके। गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने की समझाइश भी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जुगतावत ने बताया कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं में एनीमिया, उच्च रक्तचाप, शुगर, पूर्व सिजेरियन प्रसव, जुड़वा बच्चे, गर्भ में उल्टा बच्चा, पूर्व में गर्भपात, पूर्व में जन्मे शिशु में जन्मजात विकृति, कम वर्ष व 35 वर्ष से अधिक उम्र में गर्भधारण होना, अधिक बच्चे होना तथा टीबी, गुर्दे, हृदय रोग, मलेरिया, एचआईवी, हैपेटाइटिस बी जैसे रोगों से ग्रसित गर्भवती महिलाएं शामिल होती हैं।

महाशिवरात्रि पर भारी वाहनों का रूट डायवर्ट किया जाएगा

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि का पर्व 15 फरवरी को मनाया जाएगा। ओंकारेश्वर में नर्मदा स्नान एवं ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने खण्डवा-इन्दौर मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित करने के सम्बंध में आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार 14 फरवरी को सुबह 6 बजे से 16 फरवरी को रात्रि 12 बजे तक बुरहानपुर-खण्डवा से इन्दौर की ओर जाने वाले भारी वाहनों के लिए देशगांव से खरगोन वाया कसरावद-खलघाट महू होते हुए इन्दौर के लिए रूट डायवर्ट रहेगा। इसी तरह इन्दौर से खण्डवा बुरहानपुर जाने वाले भारी वाहन महू से खलघाट कसरावद खरगोन वाया भीकनगांव से देशगांव होते हुए खण्डवा-बुरहानपुर की ओर जाएंगे। इस इस प्रतिबंधात्मक आदेश से दुग्ध वाहन, स्वास्थ्य सेवाओं में लगे वाहन, पुलिस वाहन, फायर ब्रिगेड, पानी के टैंकर, आर्मी के वाहन, विद्युत प्रदाय कार्य में लगे वाहन, एलपीजी व पेट्रोलियम सम्बंधी वाहन, कृषि उपज मंडी में सब्जी ले जाने वाले वाहन तथा यात्री बसें जैसे आवश्यक सेवाओं में लगे वाहनों को मुक्त रखा गया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता प्रत्येक मंगलवार को नागरिकों की समस्याएं सुनकर सम्बंधित अधिकारियों के माध्यम से उनका निराकरण करवाते हैं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में नरेन्द्रसिंह राजपूत निवासी जामकोटा ने कलेक्टर श्री गुप्ता को आवेदन देकर बताया कि 4 वर्ष पूर्व उसकी भैंस बिजली के खंबे में करेंट होने के कारण मर गई थी, तहसीलदार एवं पुलिस की कार्यवाही के बावजूद भी अभी तक बिजली कंपनी से कोई राहत राशि नहीं मिली है। जिस पर उन्होंने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को आवेदक को नियमानुसार मदद दिलाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री अरविंद चौहान एवं श्री के. आर. बड़ोले, डिप्टी कलेक्टर श्री दिनेश सावले, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बजरंग सिंह बहादुर सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। जनसुनवाई में उमेद सिंह कोरकू निवासी बिजौरा तहसील पुनासा ने कलेक्टर श्री गुप्ता को आवेदन देकर बताया कि उसकी मां का निधन पिछले दिनों हो गया है, परिवार में कमाने वाला सदस्य कोई नहीं है, अतः आर्थिक सहायता दिलाई जाए। जिस पर उन्होंने जनपद पंचायत पुनासा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवेदक की जरूरी मदद करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में खण्डवा निवासी श्री हलीमा बेगम ने कलेक्टर श्री गुप्ता को आवेदन देकर बताया कि उसके द्वारा बिजली का पूरा बिल जमा किए जाने के बावजूद विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारियों ने विद्युत लाइन काट दी है, जिससे बच्चों की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान पढ़ाई प्रभावित हो रही है। जिस पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में खण्डवा निवासी अजीज खान ने कलेक्टर श्री गुप्ता को आवेदन देकर बताया कि वार्ड क्रमांक 19 में वहीद खान द्वारा अवैध रूप से निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसे तत्काल रोका जाए, जिस पर उन्होंने नगर निगम आयुक्त को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में खण्डवा निवासी अकील अशरफ ने कलेक्टर श्री गुप्ता को आवेदन देकर बताया कि बुधवारा वार्ड में 4 मंजिला अवैध भवन निर्मित किया जा रहा है।

शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव और डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से आज 10 फरवरी 2026 को शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में सुरक्षित इंटरनेट दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला झाबुआ श्री कपिल कुमावत ने छात्र-छात्राओं को डिजिटल दुनिया के बढ़ते खतरों और उनसे बचाव के तकनीकी व व्यावहारिक तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रमुख बिंदु- डिजिटल सुरक्षा ही बचाव है- मुख्य वक्ता श्री कपिल कुमावत ने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सुरक्षा मंत्र दिए।

मजबूत पासवर्ड और 2FA अपने सोशल मीडिया और बैंकिंग अकाउंट्स के लिए हमेशा कठिन पासवर्ड चुनें और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

निजी जानकारी की सुरक्षा घर का पता, फोन नंबर या बैंक विवरण जैसे निजी डेटा को किसी भी अनजान लिंक या असुरक्षित वेबसाइट पर साझा न करें।

फिशिंग अलर्ट- लुभावने ऑफर्स, लॉटरी या इनाम वाले संदिग्ध मैसेज और ईमेल के लिंक्स से सावधान रहें। ये डेटा चोरी के माध्यम हो सकते हैं।

सोशल मीडिया प्राइवेसी- अपनी प्रोफाइल सेटिंग्स को निजी रखें और केवल परिचित व्यक्तियों को ही अपनी मित्र सूची में शामिल करें।

श्री कपिल कुमावत ने कहा कि इंटरनेट एक बेहतरीन संसाधन है, लेकिन इसका उपयोग जिम्मेदारी और सावधानी के साथ करना अनिवार्य है। आपकी एक छोटी सी लापरवाही आपको साइबर ठगी का शिकार बना सकती है।

सत्र के समापन पर एक संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने ऑनलाइन फ्रॉड, डेटा चोरी और सुरक्षित ब्राउजिंग से संबंधित अपनी शंकाएं श्री कुमावत के समक्ष रखीं। उन्होंने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों ने श्री कपिल कुमावत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को न केवल जागरूक बनाते हैं, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री जे.सी. सिन्हा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संजीव गांधी, हस्स् कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मुकाम सिंह चौहान, प्रो. जे. एस. भूरिया सहित समस्त वरिष्ठ प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आकांक्षी विकासखंड झिरन्या एवं भगवानपुरा की समीक्षा की

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह में गत दिवस ख्आकांक्षी विकासखंड झिरन्या और भगवानपुरा में संचालित संपूर्णता अभियान 2.0 (28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत खरगोन श्रीमती रेखा राठौर सहित संबंधित समस्त जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। तकनीकी सहायक श्री नीरज अमझरे द्वारा पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत चिन्हित 6 प्रमुख मुख्य केपीआई (की परमॉरमेंस इंडिकेटर्स) संकेतकों की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने हेतु विभागवार निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा तथा कृषि से संबंधित 6 संकेतकों में पूर्ण संतृप्ति प्राप्त करना है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अभियान अवधि में 6 माह से 6 वर्ष तक के समस्त पंजीकृत बच्चों को शत-प्रतिशत नियमित रूप से टेक होम राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही टेक होम राशन की समय पर आपूर्ति, परिवहन एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित उपलब्धता, विशेष रूप से दोनों आकांक्षी विकासखंडों में सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में दर्ज सभी बच्चों का वजन एवं ऊँचाई मापन कर पोषण ट्रैकर में अनिवार्य रूप से प्रविष्टि की जाए, जिससे पोषण से जुड़े संकेतकों की संतृप्ति सुनिश्चित हो सके। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के किराए के भवनों में शौचालय उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विस्थापित किया जाए। साथ ही भगवानपुरा विकासखंड की समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कर संबंधित केपीआई में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए। कलेक्टर ने झिरन्या एवं भगवानपुरा विकासखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालयों के मरम्मत कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ जीएस चौहान की अध्यक्षता में 10 फरवरी को सुरक्षित इंटरनेट दिवस के उपलक्ष्य में स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प, एआई के सुरक्षित उपयोग थीम पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संयुक्त निदेशक एवं जिला सूचना अधिकारी, राष्टीय सूचना केंद्र खरगोन के श्री राजेंद्र पाटीदार ने इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग विषय पर विद्यार्थियों को पीपीटी के माध्यम से अवगत कराया कि आज के समय में हर कोई कही न कही डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे सावधान रह कर इनका शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सदुपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में एआई के उपयोग से समस्याओं का समाधान ढूंढा जा सकता है। साथ ही कैसे एआई तकनीक का विद्यार्थी जीवन में अधिकतम लाभ उठा सके एवं कैसे विद्यार्थी अपने क्षेत्र में जागरुकता ला सकते है विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ एवं कंप्यूटर विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

एमपी बोर्ड परीक्षा शुरू, केंद्रों के बाहर पुलिस का पहरा

उज्जैन में 12वीं के पहले पेपर में 16 हजार से ज्यादा विद्यार्थी शामिल, हर कक्ष में लगे मोबाइल जैमर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा मंगलवार से जिले में शुरू हो गई। पहले दिन कक्षा 12वीं का पहला प्रश्नपत्र हुआ, जिसमें 16 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा को नकलमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा, वहीं केंद्रों के भीतर भी सख्त निगरानी रखी गई।

इस बार बोर्ड परीक्षा में पहली बार नई व्यवस्था लागू की गई है। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक परीक्षा कक्ष में मोबाइल जैमर लगाए गए हैं। इससे परीक्षा के दौरान न तो मोबाइल पर बातचीत संभव होगी और न ही इंटरनेट का उपयोग किया जा सकेगा। इस कदम से नकल पर प्रभावी रोक लगाने की उम्मीद की जा रही है।

उज्जैन जिले में इस वर्ष कुल 40 हजार 234 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें कक्षा 12वीं के 16 हजार 463 विद्यार्थी हैं, जबकि कक्षा 10वीं के 23 हजार 710 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री ने बताया कि परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जिले में 10 निरीक्षण दल गठित किए गए हैं, जो लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही जिले के 10 अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अलग से प्रेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जिले के कुल 77 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस गार्ड तैनात किए गए हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

गरोठ ब्रिज के नीचे दोस्तों ने युवक को मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शराब पीने के दौरान हुए विवाद में दो दोस्तों ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराकर दोस्तों की तलाश शुरू की है।

जयसिंह पुरा का रहने वाला दीपक पिता सुरेश माली 22 साल महाकाल मंदिर क्षेत्र में फूल प्रसाद की दुकान लगता है। रात में वह दोस्त आकाश और अजय के साथ शराब पीने के लिए आगर रोड स्थित दुकान पर गया था। तीनों ने वहां से शराब खरीदी और गरोठ ब्रिज के नीचे बैठकर पीने लगे। बातचीत के दौरान दीपक का दोनों दोस्तों से विवाद शुरू हो गया। दोस्त आकाश और अजय ने चाकू से हमला कर दिया। सर में लगे चाकू से दीपक लहूलोहान हो गया। दोनों दोस्त मौके से भाग निकले। सूचना मिलने पर चिमनगंज थाना पुलिस पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। उसके बयान दर्ज कर चाकू मारने वाले दोस्तों की तलाश की जा रही है।

माकड़ौन के विद्यार्थियों ने किया जल शोधन संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की उज्जैन इकाई द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय, नयापुरा माकड़ौन के विद्यार्थियों को जल शोधन संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्वच्छ जल के महत्व के साथ-साथ जल शोधन की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि किस प्रकार कच्चे जल को तकनीकी प्रक्रिया से शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल तैयार किया जाता है। विद्यार्थियों ने पूरे संयंत्र को नज़दीक से देखा और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

सादलपुर के बदमाशों ने लूटा था 52 हजार से भरा बैग

वारदात में शामिल 3 बदमाशों के साथ रैकी करने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट के साथ हुई लूट की वारदात का मंगलवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा खुलासा किया गया। बदमाश सादलपुर धार के रहने वाले हैं। लूट को तीन बदमाशों ने अंजाम दिया था वही चौथा साथी ने रैकी की थी, पुलिस ने बदमाशों को रिमांड पर लेकर 25 हजार नगद, एक एयर गन, दो बाइक और लैपटॉप बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि खाचरोद में 4 फरवरी की सुबह खाचरौद क्षेत्र के लसुडिया खेमा तथा बाछाखेडी आम रोड पर प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के कनेक्शन एजेंट राहुल मेवाड़ा के साथ तीन बदमाश द्वारा पिस्टल दिखाकर करीब 52 हजार रुपये और लैपटॉप रखा बैग लूट लिया था। खाचरोद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरो की मदद से चार दिन बाद धार जिले के सादलपुर में रहने वाले तीन बदमाशों मोईन पिला इमरान खान, साहिल पिता शहजाद, अतुल पिता सूर्यमणि यादव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में तीनों ने अपने चौथे साथी अरमान पिता रोशन खान 21 साल निवासी ग्राम खामरिया थाना खाचरोद की रैकी पर लूट को अंजाम देना कबूल कर लिया। लूट में शामिल चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर चारों के निशानदेही पर लूटी गई राशि में से 25 हजार रुपए, दो बाइक, लैपटॉप और एयर गन बरामद की है। चारों से रिमांड अवधि में पूछताछ जारी है। बुधवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

अरमान कई दिनों से रख रहा था नजर- पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि खाचरोद का रहने वाला अरमान कई दिनों से कलेक्शन एजेंट पर नजर बनाए हुए था, गांव में कलेक्शन के लिए आने पर एजेंट के पास हजारों रुपए की राशि एकत्रित होने की जानकारी के बाद उसने अपने रिश्तेदारों मोईन और साहिल को लूट के लिए तैयार किया, वारदात से पहले तीनों ने अपने दोस्त अतुल को भी शामिल कर लिया और लूटी गई राशि आपस में बांट ली। पुलिस के अनुसार चारों का आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है बावजूद इसके पूछताछ की जा रही है।

इनकी रही भूमिका- पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बदमाशों को गिरफ्तार कर लूट का खुलासा करने में खाचरोद थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया, एसआई अमित डामर, सुधीर शर्मा, प्रधान आरक्षक सोमसिंह, यशपाल सिंह सिसोदिया, आरक्षक कृष्णा बैरागी, योगेन्द्र चौहान, जितेन्द्र सिंह सेंगर, सुरेश डांगी, मुकेश गोयल संजय सिंह राणावत, गुलाब सिंह डामोर की भूमिका रही।

चरक अस्पताल की सीवरेज समस्या का समाधान जल्द

57 लाख का वर्क ऑर्डर जारी, दो माह में बदबू से मिलेगी राहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागीय चरक अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने वाले सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को जल्द ही बदबू और गंदे पानी से राहत मिलने की उम्मीद है। अस्पताल के मुख्य गेट के पास लंबे समय से फैला ड्रेनेज का गंदा पानी अब इतिहास बनने जा रहा है। नगर निगम ने चरक अस्पताल परिसर में नई सीवरेज लाइन डालने के लिए 57 लाख रुपए का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है।

आगर रोड स्थित चरक भवन की सीवरेज व्यवस्था लंबे समय से चरमराई हुई थी। बताया जा रहा है कि अस्पताल भवन का निर्माण करने वाली ठेका कंपनी ने सीवरेज सिस्टम घटिया गुणवत्ता का लगाया था, जिसके चलते कुछ ही समय में लाइन खराब हो गई। इसके बावजूद संबंधित कंपनी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और पहले ही करोड़ों रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इसका खामियाजा मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ा।

नगर निगम द्वारा तैयार योजना के अनुसार चरक अस्पताल से निकलने वाली सीवरेज पाइपलाइन को क्षीरसागर होते हुए रामघाट की ओर जाने वाली मुख्य चैंबर लाइन से जोड़ा जाएगा। इससे गंदे पानी की निकासी सुचारु होगी और अस्पताल परिसर में जलभराव की स्थिति खत्म हो सकेगी। इस कार्य पर शासन की ओर से लगभग 57 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। यह पूरा काम नगर निगम के पीएचई विभाग की निगरानी में निजी ठेकेदार द्वारा कराया जाएगा। ठेकेदार ने काम की तैयारी शुरू कर दी है और परिसर में सीवरेज पाइप भी पहुंचने लगे हैं। जल्द ही खुदाई का कार्य शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि अगर काम तय समय पर चलता रहा तो आगामी दो माह में सीवरेज लाइन का काम पूरा कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चरक भवन में जिला अस्पताल के शिफ्ट होने के बाद यहां मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। इसी दौरान अस्पताल परिसर में नए मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य भी शुरू हुआ। निर्माण के समय पुरानी सीवरेज लाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे समस्या और गंभीर हो गई थी। अब पुरानी लाइन की मरम्मत के साथ-साथ नई लाइन डाले जाने का रास्ता साफ हो गया है।

चरक अस्पताल सीवरेज समस्या, एक नजर में

- -मुख्य गेट के पास फैला रहता था बदबूदार गंदा पानी
- -57 लाख रुपए की लागत से डाली जाएगी नई सीवरेज लाइन
- -क्षीरसागर होते हुए रामघाट की मुख्य लाइन से जोड़ा जाएगा कनेक्शन
- -नगर निगम पीएचई विभाग की निगरानी में होगा काम
- -दो माह में काम पूरा होने की संभावना

नंबर-1 शहर में कचरा संकट, गाड़ियां नहीं पहुंच रहीं समय पर

ठेका खत्म, नई व्यवस्था अधर में, सफाई को लेकर नगर निगम की व्यवस्था चरमराई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता में देशभर में नंबर-1 का तमगा हासिल करने वाला उज्जैन इन दिनों कचरा उठाने की अव्यवस्था से जूझ रहा है। करीब 10 लाख की आबादी वाले शहर में कई वार्डों में कचरा गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच रहीं, जिससे सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर दिखाई देने लगे हैं। इससे न सिर्फ आमजन को परेशानी हो रही है, बल्कि शहर की स्वच्छ छवि पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नगर निगम द्वारा जब से सॉलिड वेस्ट कलेक्शन का ठेका निजी कंपनी को दिया गया, तभी से कचरा उठाने की व्यवस्था लड़खड़ाती नजर आ रही है। ठेका मैन्युअल में साफ निर्देश हैं कि हर कचरा गाड़ी में ड्राइवर के साथ दो कर्मचारी रहेंगे, जो छोटी गलियों में आवाज लगाकर घर-घर से कचरा उठाएंगे और सूखा व गीला कचरा अलग-अलग गाड़ियों में डालेंगे। लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

न तो कर्मचारियों की संख्या पूरी है और न ही कचरे का पृथक्करण हो पा रहा है। स्थिति यह है कि सॉलिड वेस्ट कंपनी का ठेका खत्म हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नया ठेका नहीं दिया गया है। बीच में यह जिम्मेदारी एक आउटसोर्स कंपनी को सौंपी गई, जो अपेक्षित ढंग से काम नहीं कर सकी।

इसके चलते नगर निगम आयुक्त को लगातार शिकायतें मिलती रहीं।शिकायतों के बाद नगर निगम ने बड़ा फैसला लेते हुए 150 आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाकर उनकी जगह स्थायी सफाई कर्मियों को तैनात कर दिया। यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू की गई, लेकिन इसके बावजूद हालात में कोई खास सुधार नजर नहीं आया। मंगलवार को भी कई इलाकों में कचरा समय पर नहीं उठ पाया।

सूत्रों के अनुसार नए ठेके से जुड़ी फाइल अभी भी निगम आयुक्त के पास लंबित है और उस पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। जब तक नई व्यवस्था स्पष्ट नहीं होती, तब तक शहर की सफाई व्यवस्था पर अनिश्चितता बनी रहेगी। ऐसे में स्वच्छता में अव्वल रहे उज्जैन की पहचान को बनाए रखना नगर निगम के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में करेंगे वन मेले का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में बुधवार को शाम 4 बजे दशहरा मैदान, सेठी नगर उज्जैन में वन मेले का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एम.एफ.पी. पार्क द्वारा निर्मित प्राकृतिक होली रंग गुलाल एवं महाकाल स्मृति उपहार का विमोचन करेंगे। साथ ही वन विभाग की एक नवीन पहल महाकाल वन प्रसादम का भी शुभारंभ करेंगे। महाकाल वन मेला समृद्ध वन, खुशहालजन थीम पर आधारित होगा, जो 11 से 16 फरवरी 2026 तक चलेगा। महाकाल की नगरी उज्जैन में वन मेले का आयोजन पहली बार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव वन विभाग की प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन करेंगे। साथ ही वन मंडलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक, जिला यूनियन दक्षिण पन्ना एवं वन रक्षक, जिला यूनियन दक्षिण पन्ना को प्रशस्ति-पत्र प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में वन, पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप सिंह अहिरवार, अपर मुख्य सचिव वन एवं प्रशासक, मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ श्री अशोक बर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही.एन. अंबाडे और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ डॉ. समिता राजौरा उपस्थित रहेंगे।

विवाद के बाद पिता ने गला घोटकर की पुत्र की हत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शराबी पिता से सोमवार-मंगलवार पुत्र का विवाद हो गया। पिता ने गला घोट कर हत्या कर दी और लाश को बाथरूम में बंद कर दिया। सुबह मामले का पता चलते ही पुलिस ने पिता को हिरासत में ले लिया। पंवासा क्षेत्र के रघुनंदन गार्डन के पीछे रहने वाले विशाल पिता रायसिंह सोलंकी 22 वर्ष का सोमवार सुबह घर की बाथरूम में शव पड़ा मिला। उसके सिर पर चोट के निशान थे और गला दबाया गया था। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची तो मृतक विशाल के भाई सागर ने बताया कि सुबह विशाल घर में दिखाई नहीं दे रहा था जब पिता से पूछा तो पिता बोले कि चल बताता हूं उन्होंने बाथरूम का दरवाजा खोला जहां विशाल मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। सागर ने पिता पर ही हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने विशाल की बॉडी पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाई और पिता की तलाश कर कुछ देर बाद ही राउंडअप कर लिया। पोस्टमार्टम के दौरान विशाल के मामा दिनेश ने बताया कि भांजा विशाल और उसका पिता राय सिंह मिस्त्री का काम करते थे। जीजा शराब पीने का आदी है आए दिन बहन सावित्रीबाई से मारपीट करता रहता था। जीजा और बहन के बीच होने वाले विवाद में विशाल द्वारा बीच बचाव किया जाता था। रात में भी जीजा राय सिंह शराब पीकर आया था जिसका पुत्र विशाल से विवाद हो गया। इसके बाद राय सिंह ने पत्नी और बड़े बेटे को घर से निकाल दिया। वही रात में विशाल की हत्या कर दी। पंवासा थाना प्रभारी गमर सिंह मंडलोई के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या किया जाना सामने आया है जिसके चलते पिता के खिलाफ हत्या की धारा में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। आरोपी पिता को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

पहले चरण में कंठाल से सतीगेट तक होगा सड़क चौड़ीकरण

नपती के साथ ही मकान-दुकान मालिकों को थमाए जाएंगे 7 दिन के नोटिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल कंठाल से सतीगेट तक अब सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से आगे बढ़ेगा। नगर निगम ने पहले चरण में सतीगेट के पहले तक करीब 150 मीटर मार्ग चौड़ा करने की योजना बनाई है। इसके लिए नपती और नोटिस वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस मार्ग पर आए दिन लगने वाले भारी जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए निगम ने यह कदम उठाया है। खासकर सतीगेट से खड़े हनुमान और कंठाल क्षेत्र में स्थिति सबसे ज्यादा खराब रहती है। यहां कई दुकानदारों द्वारा 10-10 फीट तक सड़क पर सामान फैलाने से यातायात बाधित हो रहा है।

10 महीने में अधूरा रहा काम, अब निगम ने कसी कमर - नगर निगम द्वारा कोयला फाटक से कंठाल तक चौड़ीकरण का काम शुरू हुए करीब 10 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 350 से 400 मीटर सड़क ही बन पाई है। निजातपुरा और नरेन्द्र टॉकीज रोड पर विकास कार्य भी अपेक्षित गति से नहीं हो सका। अब निगम ने तय किया है कि कंठाल से सतीगेट तक के हिस्से में सीवर लाइन का कार्य भी किया जाना है, इसलिए पहले ही चरण में यहां कार्रवाई शुरू की जाएगी।

सीवर, पाइपलाइन और पोल शिफ्टिंग के बाद बनेगी सड़क - नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि पहले चरण में कंठाल से सतीगेट के पहले तक दोनों ओर के मकान और दुकान मालिकों को नोटिस दिए जाएंगे।सबसे पहले सीवर लाइन, फिर पाइपलाइन बिछाने, उसके बाद बिजली के पोल हटाने और अंत में नई सड़क निर्माण का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में सतीगेट से खड़े हनुमान तक चौड़ीकरण किया जाएगा।

दो दिन में नपती, सात दिन का नोटिस - निगम अधिकारियों के अनुसार नोटिस तैयार करने का काम शुरू हो चुका है।

अगले दो दिनों में इंजीनियर मौके पर पहुंचकर नपती करेंगे और उसी समय संबंधित लोगों को 7 दिन की अवधि के नोटिस सौंप दिए जाएंगे।

नोटिस की समयसीमा पूरी होने के बाद किसी भी समय तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

इसलिए जरूरी है यहां चौड़ीकरण

- -सतीगेट- कंठाल मार्ग शहर का प्रमुख बाजार क्षेत्र
- -दिनभर भारी यातायात और बार-बार जाम
- -दुकानों का अतिक्रमण सबसे बड़ी समस्या
- -सीवर और पाइपलाइन पुराने होने से बार-बार खुदाई
- -चौड़ी सड़क बनने से यातायात और व्यापार दोनों को राहत

बीमारी से परेशान 72 साल के वृद्ध ने जहर खाकर की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीमारी से परेशान वृद्ध ने सोमवार मंगलवार रात जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह परिजनों ने कमरे में लाश पड़ी देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस जांच में सुसाइड नोट मिला है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सोपा गया है। मृतक अपने भाई के साथ रहता था।

माधव नगर थाना क्षेत्र के महानंदा नगर में मंगलवार सुबह राजेंद्र पिता विपिन चंद्र सूद 72 साल का शव घर के कमरे में पड़ा मिला। भाई विजेंद्र कुमार ने पुलिस को सूचना दी। माधव नगर पुलिस जांच के लिए पहुंची जहां सामने आया कि राजेंद्र सूद ने जहर खाकर आत्महत्या की है। मृतक के कमरे से सुसाइड नोट मिला जिसमें लिखा था कि मेरे परिवार को परेशान नहीं किया जाए। मेरा जो भी हिस्सा है सभी को बांट दिया जाए और मेरी देह दान कर दी जाए। पुलिस ने परिवार से पूछताछ की तो भाई विजेंद्र ने बताया कि मूल रूप से सागर के रहने वाले थे काफी समय से उज्जैन आकर साथ में रह रहे थे। विजेंद्र का कहना था कि उनकी हार्डवेयर दुकान है। राजेंद्र ही दुकान पर बैठकर कामकाज संभालता था। पुलिस ने जांच के बाद बॉडी पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाई। इस दौरान सामने आया कि मृतक राजेंद्र वृद्धावस्था की बीमारियों से परेशान था, उन्हें ब्लड प्रेशर, शुगर के साथ पेट में तकलीफ की समस्या थी, लेकिन वह भाई के साथ रहने की वजह से अपनी समस्या खुलकर नहीं बता पाए थे। माधव नगर पुलिस के अनुसार परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

महाशिवरात्रि पर महाकाल नगरी हाई अलर्ट, 10 लाख श्रद्धालुओं के लिए अभेद्य सुरक्षा घेरा

40 मिनट में दर्शन का लक्ष्य, 1500 पुलिसकर्मी, ड्रोन और एआई से होगी निगरानी

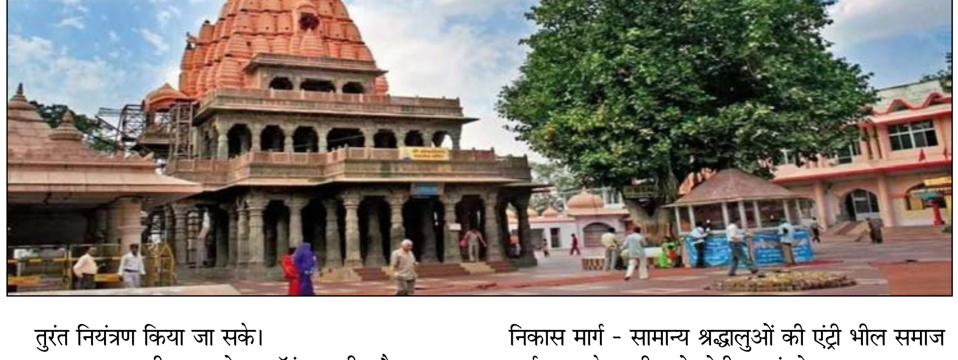

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर्व पर श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की कमान संभाल ली है। 15 और 16 फरवरी को देशभर से करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान है। इसी के मद्देनज़र नवागत एडीजी राकेश गुप्ता ने डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण, वीआईपी मूवमेंट और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। प्रशासन ने लक्ष्य तय किया है कि श्रद्धालुओं को अधिकतम 40 मिनट में बाबा महाकाल के दर्शन कराए जाएं।

1500 पुलिसकर्मी, 5 ड्रोन और 200 सीसीटीवी से रहेगी नजर- महाशिवरात्रि के दौरान महाकाल मंदिर परिसर और शहर के प्रमुख मार्गों पर करीब 1500 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

इनमें से 250 पुलिसकर्मी वीआईपी व्यवस्था के लिए अलग से लगाए जाएंगे। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 150 महिला सुरक्षाकर्मी तैनात होंगी। भीड़ पर नजर रखने के लिए 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, 5 ड्रोन कैमरे और एआई आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा, जिससे किसी भी स्थिति पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके।

हर 300 मीटर पर हेल्थ पॉइंट, पानी और सहायता केंद्र- श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर 300 मीटर पर मेडिकल हेल्थ पॉइंट, पेयजल और सहायता केंद्र बनाए जाएंगे।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सहायता दल मौजूद रहेंगे।

शहर में अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग स्थल तय किए गए हैं और प्रमुख मार्गों पर व्यापक बैरिकेडिंग की जाएगी, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

सामान्य श्रद्धालुओं के लिए यह रहेगा प्रवेश और निकास मार्ग - सामान्य श्रद्धालुओं की एंट्री भील समाज धर्मशाला के समीप से होगी। यहां से श्रद्धालु चारधाम मंदिर पार्किंग, शक्तिपथ,त्रिवेणी संग्रहालय, नंदी द्वार, महाकाल महालोक , मानसरोवर भवन, फैसेलिटी सेंटर-1 टनल, नवीन टनल-1 से होकर गणेश मंडपम् से बाबा महाकाल के दर्शन करेंगे।

दर्शन के बाद श्रद्धालु आपातकालीन निर्गम द्वार से बाहर आकर गणेश मंदिर और हरसिद्धि मंदिर चौराहा होते हुए रवाना होंगे।

शीघ्र दर्शन और पासधारी श्रद्धालुओं की अलग व्यवस्था- शीघ्र दर्शन टिकटधारी श्रद्धालुओं के लिए भील समाज धर्मशाला के पास अलग बैरिकेडिंग की गई है। यहां से श्रद्धालु चारधाम मंदिर पार्किंग, अशोक सेतु, मानसरोवर भवन, फैसेलिटी सेंटर-1 टनल, नवीन टनल-1 होते हुए गणेश मंडपम् से दर्शन करेंगे।

पासधारी श्रद्धालु हरसिद्धि पाल पार्किंग जिगजेग से होकर बड़ा गणेश के पास वाली गली, प्रीपेड बूथ तिराहा, शहनाई जिगजेग द्वार नंबर-1 से प्रवेश करेंगे।

भस्मार्ती दर्शन व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर भस्मार्ती के लिए पंजीकृत श्रद्धालुओं का प्रवेश मानसरोवर भवन और द्वार क्रमांक-1 से निर्धारित किया गया है।

यहां रहेगी पार्किंग व्यवस्था- सामान्य श्रद्धालु- कर्कराज पार्किंग, मेघदूत पार्किंग,

शीघ्र दर्शन टिकटधारी- कार्तिक मेला ग्राउंड, राणौजी की छत्री, शगुन गार्डन और महाकाल मंडपम।

यहां मिलेगी चिकित्सा सुविधा- श्री महाकालेश्वर मंदिर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, त्रिवेणी इंटरप्रिटेशन सेंटर, कर्कराज व चारधाम मंदिर पार्किंग, हरसिद्धि मंदिर चौराहा, बड़ा गणेश मंदिर, मानसरोवर भवन, महाकाल प्लाजा, फैसेलिटी सेंटर, भस्मार्ती द्वार गेट नंबर-4, नीलकंठ द्वार और निर्गम द्वार।

इसके अलावा एम्बुलेंस व्यवस्था, जिला अस्पताल में आपातकालीन बेड और चिकित्सकों की टीम 24 घंटे उपलब्ध रहेगी।